संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 105
पृष्ठ 8
गुरुवार
02 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पिगमेंटेशन की समस्या....

विचार- नीतीश को महंगा पड़ेगा.....

खेल- टेस्ट रैंकिंग में सर्वोच्च रेटिंग...

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम : सीएम योगी ने दिए निर्देश

बार-बार चालान होने पर निरस्त हो जाएगा लाइसेंस

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नव वर्ष के पहले दिन बुधवार को उप्र राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक ली। उन्होंने सभी विभागों को सड़क सुरक्षा से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जनपदीय सड़क सुरक्षा समिति जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 5 जनवरी तक हर हाल में बैठक संपन्न कर लें। छह से 10 जनवरी तक सभी स्कूलों-कॉलेजों में सड़क सुरक्षा नियमों से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि महाकुम्भ में बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए पीआरडी व होमगार्डों की संख्या बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में हर वर्ष हो रही 23-25 हजार मौतें देश व राज्य की क्षति है। यह दुर्घटनाएं जागरूकता के अभाव में होती हैं। सड़क सुरक्षा माह सिर्फ लखनऊ तक सीमित न रहे, बल्कि इसे प्रदेश के सभी 75 जनपदों में सुचारू रूप से संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त भी हर माह जनपदों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा की बैठक हो, जिसमें पुलिस अधीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, आरटीओ, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा

अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि उपस्थित रहें। जनपद स्तर पर हुए कार्यों की प्रोग्रेस को लेकर हर तीसरे महीने शासन स्तर पर मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने कहा कि उन जनपदों व स्थलों को चिह्नित करें, जहां अधिक दुर्घटनाएं संभावित हैं। इसके लिए कारणों का पता करते हुए इसके समाधान की कार्ययोजना बनाई जाए। नाबालिग ई-रिक्शा व अन्य वाहनों का संचालन न कर पाएं, इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। ई-रिक्शा के रजिस्ट्रेशन की कार्रवाई सुचारू रूप से की जाए। सड़कों पर अनिवार्य रूप से साइनेज लगाए जाएं, जिससे लोगों को आवागमन में भी सहूलियत हो सके। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग कतई बर्दाश्त नहीं है। इसे स्टॉर्टिंग पॉइंट पर ही रोका जाए। एक्सप्रेस व हाइवे पर लोडेड वाहन भी खड़े रहते हैं, जो दुर्घटना का कारण बनते हैं। इन वाहनों को क्रेन के माध्यम से हटवाया जाए। हेलमेट, सीट बेल्ट तथा सड़क सुरक्षा के अन्य मानकों को अपनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाकर प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी वाहन का बार-बार चालान होने पर लाइसेंस/परमिट निरस्तीकरण आदि की कार्रवाई की जानी चाहिए। इस कार्रवाई को अनिवार्य रूप से फॉस्टैग से जोड़ा जाए। सूचना, परिवहन व सड़क सुरक्षा से जुड़े विभागों की तरफ से अपील करने वाली होर्डिंग लगाई जाए। इसे सभी 75 जनपदों, 350 तहसीलों, 1500 थानों व सभी नगर निकायों के बाहर भी लगाया जाए। राहगीरों/आमजन को जागरूक किया जाए कि दुर्घटना को देखकर भागें नहीं, बल्कि घायलों को गोल्डेन ऑवर के अंदर समीप के हॉस्पिटल या ट्रॉमा सेंटर में पहुंचाएं। एंबुलेंस का रिस्पॉन्स टाइम न्यूनतम करें। स्कूलों-कॉलेजों में रोड सेफ्टी क्लब की तर्ज पर प्रत्येक जनपद में रोड सेफ्टी पार्क बनाए जाएं। रोड सेफ्टी अवेयरनेस कार्यक्रमों से स्कूली बच्चों को जोड़ते हुए यातायात नियम से जुड़े विषयों पर नाटक, संगीत, कविता, निबंध, संगोष्ठी, भाषण, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताएं कराई जाएं।

कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025 (रजि.)

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं पर यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2025 तक भेजें। 2022, 2023, 2024 तक प्रकाशित रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएं पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तारीख 1 फरवरी 2025 है।

पता-'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय 289/238ए, अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

''नववर्ष अभिनंदन''

चौबीस वर्ष बीत गए हैं,
इक्कीसवीं सदी के आज ।
खट्टी-मीठी स्मृतियों संग,
नमन विदाई विगत काज ।।

स्वागत दो हजार पच्चीस का
तन- मन से सब स्वस्थ रहें ।
गम से दूर रहे हर जीवन,
सुख - समृद्धि से मस्त रहें।।

रिश्तों की यह मोती माला,
अटूट धागे से बंधी रहे।
प्रेम सौहार्द से दिल मजबूत,
अमूल्य श्वाँसे सधी रहें ।।

अपने मन सा दूजा मन भी,
यही सोच कर जीना जीवन।
राग- द्वेष, छल, कपट त्याग,
सच में तब नववर्ष अभिनंदन।।

डॉ. रेखा सक्सेना
मुरादाबाद ,उत्तर प्रदेश

मणिपुर में फिर हुई हिंसा, उग्रवादियों ने की फायरिंग, बम भी फेंके

मणिपुर, एजेंसी। नए साल के जश्न के बीच, मणिपुर के इम्फाल पश्चिम जिले के कडांगबंद इलाके में 1 जनवरी की सुबह एक ताजा हमला हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कांगपोकपी जिले में अपने पहाड़ी ठिकानों से संदिग्ध उग्रवादियों ने देर रात एक बजे के आसपास इम्फाल पश्चिम जिले के निचले इलाके कादंगबंद इलाके में अत्याधुनिक हथियारों से कई राउंड गोलीबारी की और बम फेंके। क्षेत्र में तैनात ग्रामीण स्वयंसेवकों ने जवाबी कार्रवाई की, हालांकि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को क्षेत्र में भेजा गया। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारी ने आगे बताया कि हमले के कारण कच्चे घरों में रहने वाले कई ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। मई 2023 में राज्य में हिंसा भड़कने के बाद से कडांगबंद क्षेत्र में संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा कई हमले देखे गए हैं। मणिपुर के बिष्णुपुर और थौबल जिलों में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने मंगलवार को बिष्णुपुर जिले के थोंगखोंगलोक गांव से एक एसएलआर और एक मैगजीन, 303 राइफल, 12 बोर की सिंगल बैरल पिस्तौल, नौ एमएम की पिस्तौल और मैगजीन, दो इंसास एलएमजी मैगजीन, दो इंसास राइफल मैगजीन, चार हथगोले, एक डेटोनेटर, गोला-बारूद और अन्य सामग्री जब्त की। सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के लीशांगथेम इकोप पाट इलाके से दो सिंगल बोल्ट एक्शन राइफल, 9 एमएम की तीन पिस्तौल (देसी), एक हथगोला, चार एमके-13टी और गोलाबारूद जब्त किया। इस बीच, पुलिस ने जबरन वसूली में शामिल प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के एक सदस्य को मंगलवार को इंफाल पूर्वी जिले में मंत्रिपुखरी बाजार से गिरफ्तार किया।

महाराष्ट्र में अवैध रूप से रह रहे 9 बांग्लादेशी गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने और वैध दस्तावेजों के बिना देश में रहने के आरोप में नौ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। यह नवीनतम ऑपरेशन अवैध आव्रजन से निपटने के लिए महाराष्ट्र एटीएस के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। पिछले महीने ही एटीएस ने एक विशेष पहल के तहत 19 अलग-अलग मामलों में 43 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। हालिया

गिरफ़्तारियाँ पिछले चार दिनों में मुंबई, नासिक, नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर की स्थानीय पुलिस की सहायता से की गईं। अधिकारी ने कहा कि नौ बांग्लादेशी नागरिकों – आठ पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर आधार कार्ड बनवाये। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनके खिलाफ विदेशी अधिनियम और अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत पांच मामले दर्ज किए हैं। इससे पहले 27 दिसंबर को महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने और वैध दस्तावेजों के बिना रहने के आरोप में 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। एक अधिकारी ने बताया कि एटीएस द्वारा शुरू किए गए एक विशेष अभियान के दौरान ये गिरफ्तारियां की गईं। उन पर विदेशी अधिनियम और अन्य संबंधित कानूनों के तहत तीन मामले दर्ज किए गए हैं। ये बांग्लादेशी नागरिक जाली दस्तावेजों का उपयोग करके आधार कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज प्राप्त करने में कामयाब रहे थे।

जीजा और साली के बीच सहमति से बना संबंध अनैतिक है... दुष्कर्म नहीं, हाईकोर्ट ने की ये टिप्पणी, आरोपी को राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बालिग साली व जीजा के बीच सहमति से बना संबंध अनैतिक है, लेकिन इसे दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। कोर्ट ने यह टिप्पणी कर पांच माह से जेल में बंद आरोपी जीजा को सशर्त जमानत दे दी। यह आदेश न्यायामूर्ति समीर जैन के पीठ ने कुशीनगर के कोतवाली हाटा निवासी आरोपी की अर्जी पर दिया। आरोपी पर कोतवाली हाटा में दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोप था कि उसने साली को शादी करने का झूठा वादा करके भगा ले गया और उसके साथ संबंध बनाया। आरोपी जुलाई 2024 से जेल में है। उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की। आवेदक के वकील ने दलील दी कि वर्तमान मामले में आवेदक को झूठा फंसाया गया है। पीड़िता वयस्क है। दोनों के बीच सहमति से संबंध बने हैं। पीड़िता ने पहले बयान में आरोपों से इन्कार किया था। बाद में अपना बयान बदल दिया। अपर शासकीय अधिवक्ता ने जमानत अर्जी का विरोध किया। न्यायालय ने पक्षों को सुनने के बाद इसे दुष्कर्म के बजाय अनैतिक संबंध मानते हुए जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। उधर, दुष्कर्म के एक अन्य मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड से पता चलता है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद पीड़िता ने एक बच्चे को जन्म दिया है। पीड़िता के अनुसार आवेदक बच्चे का पिता है। इस पर आवेदक ने कहा, पीड़िता की पहले किसी अन्य व्यक्ति भी शादी हुई थी। वह बच्चे का पिता नहीं है। डीएनए जांच में यदि बच्चा उसका पाया जाता है तो वह उसे व पीड़िता को अपना लेगा। इन तथ्यों के आधार पर आवेदक को जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की पीठ ने प्रयागराज के थाना मांडा के आरोपी की जमानत अर्जी पर दिया। मांडा थाने में 31 जुलाई 2022 को आवेदक पर दुष्कर्म, पॉक्सो सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोप था कि उसने पीड़िता से शादी का वादा कर संबंध बनाया। जब वह गर्भवती हो गई तो उसने शादी करने से इन्कार कर दिया। आवेदक डेढ़ साल से जेल में है। उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की। वकील ने दलील दी कि आवेदक को झूठे आरोप के आधार पर आरोपी बनाया गया है। एफआईआर जब दर्ज कराई गई तो पीड़िता की उम्र 17 साल 10 महीने थी। यानी वह वयस्क होने की कगार पर थी। पीड़िता के बयानों से पता चलता है कि उसकी सहमति से संबंध बने हैं। पीड़िता की मां के बयान से यह पता चलता है कि उसकी शादी पहले किसी अन्य व्यक्ति के साथ हुई थी। डीएनए जांच में बच्चा आवेदक का पाया गया तो वह उसे अपना लेगा। न्यायालय ने इन तथ्यों का संज्ञान लेते हुए आरोपी की सशर्त जमानत अर्जी मंजूर कर ली।

संतों ने आतंकी पन्नू के जलाए पोस्टर, परमहंस दास बोले- महाकुंभ में दिखा तो जिंदा गाड़ देंगे

प्रयागराज। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह उर्फ पन्नू की धमकी के बाद महाकुंभ में आए संतों में जबर्दस्त उबाल है। महाकुंभ मेले के सेक्टर 16 में अयोध्या छावनी के जगतगुरु परमहंस दास जी महाराज के नेतृत्व में संतों ने आतंकी पन्नू का पोस्टर जलाया। उसके खिलाफ संतों ने जोरदार नारेबाजी की। स्वामी परमहंस दास बोले की अगर आतंकी पन्नू महाकुंभ में दिखा तो उसे जिंदा गाड़ देंगे। संगम की रेती पर आयोजित होने वाले महाकुंभ को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की धमकी के बाद सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। पिछले सप्ताह सुरक्षा का जिम्मा खुद एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने ले लिया था। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि हर तरह की स्थिति में सभी सुरक्षा एजेंसियां तैयार हैं। बता दें कि सोमवार को यूपी के पीलीभीत जिले में तीन खालिस्तानी आतंकवादियों वीरेंद्र सिंह, गुरविंदर सिंह और जसनप्रीत सिंह के एनकाउंटर के बाद पन्नू ने अमेरिका से वीडियो जारी कर कहा कि वह इस घटना का बदला महाकुंभ में लेगा। उसने इस आयोजन को 'हिंदुओं का आखिरी महाकुंभ' बनाने और तीन शाही स्नानों (14 जनवरी को मकर संक्रांति, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या और 3 फरवरी को अंतिम शाही स्नान) को निशाना बनाने की धमकी दी थी। जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। यूपी पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां चप्पे चप्पे की निगरानी कर रही हैं। ड्रोन और फेस रिकग्निशन कैमरों जैसी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। महाकुंभ मेले में सुरक्षा के सात स्तरीय इंतजाम किए गए हैं। पूरे मेला क्षेत्र में ड्रोन तैनात होंगे, जो हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। संवेदनशील इलाकों और प्रवेश द्वारों पर फेस रिकग्निशन तकनीक से लैस कैमरे लगाए गए हैं। संभावित साइबर हमलों को रोकने के लिए एक विशेष साइबर यूनिट काम कर रही है। एनएसजी और एटीएस की विशेष टीमें तैनात रहेंगी। जल, थल और वायु सुरक्षा में नदियों में गश्त के लिए स्पेशल बोट और वायुसेना के हेलिकॉप्टरों को तैनात किया गया है। महाकुंभ में आने वाले विदेशी मेहमानों के लिए भी खास इंतजाम हैं।

नई शिक्षक भर्ती के लिए रिक्त पदों की कराई गई गिनती, चार जनवरी को होगी निदेशकों की बैठक

प्रयागराज। प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा में शिक्षकों के पदों पर नई भर्ती शुरू करने के लिए उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने चार जनवरी को संबंधित विभागों के निदेशकों की बैठक बुलाई है। इसके लिए विभाग रिक्त पदों की गिनती करा रहे हैं। बैठक में नई भर्ती शुरू करने के साथ ऑनलाइन अधियाचन भेजे जाने पर भी निर्णय लिया जाएगा। बैठक से पूर्व माध्यमिक शिक्षा विभाग ने रिक्त पदों की गिनती शुरू कर दी। इसके लिए अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) सुरेंद्र कुमार तिवारी ने सभी मंडलीय शिक्षा निदेशकों को पत्र जारी कर प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता, सहायक अध्यापक, लिपिक, चतुर्थ श्रेणी व सहायक अध्यापक (संबद्ध प्राइमरी प्रभाग) के रिक्त पदों की गणना करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही 31 मार्च 2025 तक सेवानिवृत्ति के कारण रिक्त होने वाले पदों का ब्योरा भी मांगा है। वहीं, उच्च शिक्षा निदेशालय अशासकीय महाविद्यालयों व अल्पसंख्यक महाविद्यालयों से असिस्टेंट प्रोफेसर व प्राचार्य के रिक्त पदों का ब्योरा पहले ही मांग चुका है। इन पदों के सत्यापन के बाद निदेशालय ऑनलाइन माध्यम से पोर्टल के माध्यम से अधियाचन भेजेगा। निदेशालय के सूत्रों का कहना है कि पोर्टल पर अधियाचन किस प्रक्रिया के तहत भेजा जाएगा, बैठक में इस पर भी चर्चा होगी। शिक्षा सेवा चयन आयोग के सचिव की ओर से पूर्व में संबंधित विभागों को पत्र भेजकर रिक्त पदों का अधियाचन मांगा जा चुका है। आयोग महाकुंभ के बाद प्राइमरी से उच्च शिक्षा तक नई भर्ती शुरू करने की तैयारी में है। आगामी भर्ती परीक्षाओं के लिए आयोग ने पाठ्यक्रमों का रिवीजन भी शुरू कर दिया है। साथ ही अर्हता संबंधी विवादों को भी दूर किया जा रहा है, ताकि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद कोई बाधा न आए। वहीं, दूसरी ओर आयोग फरवरी में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों और अप्रैल में टीजीटी–पीजीटी के 4163 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा कराने की तैयारी कर रहा है। ये दोनों भर्तियां ढाई साल से लंबित पड़ी हैं। 14 लाख से अधिक अभ्यर्थी इन परीक्षाओं का इंतजार कर रहे हैं। आयोग की योजना है कि लंबित परीक्षाएं कराने जाने के बाद नई भर्तियां शुरू करा दी जाएं।

अमेरिका की फूड सेक्रेटरी क्रिस्टीनाबन गई अमृता माता, सनातन धर्म के प्रति बढ़ा अनुराग

प्रयागराज। ध्यान–योग, आध्यात्म की ताकत दुनियावी चकाचौंध और वैभवशाली जीवन शैली पर भारी पड़ रही है। विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम के तौर पर लगे महाकुंभ में संगम की ओर रुख करने वाली दुनिया के लिए यह सनातन संस्कृति के बढ़ते प्रभाव की बड़ी नजीर है। अमेरिका के न्यूयार्क स्थित बफैलो शहर की एक नामी कंपनी में फूड सेक्रेटरी के पद पर तैनात रहीं क्रिस्टीना गेरुआ वस्त्र पहनकर अमृता माता बन गई हैं। न्यूयार्क के बफैलो शहर में स्थित कैनिसियम यूनिवर्सिटी से विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने वाली क्रिस्टीना के अमृता माता बनने की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। अमृता अमेरिकी दंपती की इकलौती संतान हैं। मां ज्वाइनया और पिता सेल्वटॉरी ने किस्टीना को बड़े दुलार से पाला पोसा। मां और पिता ने बेटी के महंगे शौक और शाही जीवन शैली पर कभी रोक टोक नहीं लगाई। बिंदास जिंदगी जीने वाली क्रिस्टीना क्रियायोग से प्रभावित होकर भारत चली आई। क्रिस्टीना बताती हैं कि वह महंगे क्लब भी ज्वाइन करती थीं और लजीज व्यंजनों का स्वाद उन्हें बेहद पसंद था। लेकिन, एक बार कनाडा में क्रियायोग गुरु स्वामी योगी सत्यम की क्रिया योग कक्षा में शामिल होने का अवसर मिलने के बाद उनकी पूरी जीवन शैली ही बदल गई। उनके आहार–व्यवहार में तो बदलाव आया ही, देखते–देखते ही पूरा जीवन क्रियायोग साधना की भक्ति में रंग गया। बेटी में आए इस बदलाव को देखकर क्रिस्टीना के माता–पिता भी अचंभित हुए। अंततरू बेटी की खुशी के लिए उसे लेकर क्रियायोग आश्रम आ गए। क्रिस्टीना क्रियायोग अभ्यास की साधना में रमने के साथ ही योग गुरु योगी सत्यम से दीक्षा लेकर अब अमृता माता बन गई हैं। अमृता माता महाकुंभ में महीने भर संगम के तट पर साधना करेंगी। उन्होंने क्रियायोग के रूप में सनातन धर्म को स्वीकार कर लिया है। वह बताती हैं कि सनातन संस्कृति से श्रेष्ठ उनकी नजर में विश्व में कोई संस्कृति नहीं है। उनका कहना है कि क्रियायोग के निरंतर अभ्यास के जरिए मन और शरीर के विकार से मिटते ही हैं, किसी भी तरह की बीमारी भी दूर हो सकती है। क्रिस्टीना का मां उनको लेकर यहां आश्रम में आईं। मां ने ही अपनी बेटी के जीवन में आए बदलाव के बारे में जानकारी दी और अपनी बेटी की खुशी के लिए आश्रम में ही उनको दीक्षा देने का आग्रह किया।

भीषण सर्दी पर भारी पड़ा 2025 का जोश, हर तरफ जश्न का शोर

प्रयागराज। गुड बाय 2024...वेलकम 2025! रात 12 बजते ही गीत–संगीत का धमाल आसमान छूने लगा। वेलकम सॉन्ग के साथ लोग एक–दूसरे को हैप्पी न्यू ईयर कहते हुए बधाई देने लगे। रंग–बिरंगी आतिशबाजी से आसमान पट गया। जो जहां था, जश्न में शामिल हो गया। सिविल लाइंस से लेकर जॉर्जटाउन, मेडिकल चौराहा, बालसन समेत अन्य इलाकों के होटलों, क्लबों में शाम से ही 31 दिसंबर का जश्न

शुरू हो गया था। सर्दी की परवाह किए बगैर युवक–युवतियां नए साल के लिए पार्टियों में शामिल हुए। फूलों और आकर्षक लाइटों से सजे पार्कों, लॉनों और होटलों में समूह नृत्य देखने लायक थे। सिविल लाइंस के होटल क्लार्क इन अजय इंटरनेशनल में 2024 को नृत्य–संगीत संग विदा किया और नए साल का स्वागत किया। होटल मिलेनियम इन में नृत्य के अलावा चुटकुलों और हास्य कविताओं पर जमकर ठहाके लगे। वर्ष के अंतिम मंगलवार को सजे और पूजे गए हनुमानजी वर्ष के अंतिम मंगलवार को बंधवा स्थित बड़े हनुमान मंदिर को बहुरंगी फूलों से मनोहारी शृंगार किया गया। रंग–बिरंगे गुब्बारों और अन्य कलाकृतियों से सजाया गया। आरती के बाद सर्वमंगल की कुशलता और सभी के स्वस्थ रहने की कामना की गई। एकलव्य चौराहे के पास स्थित हनुमान मंदिर में रामचरितमानस का अखंड पाठ हुआ। न्यायविद हनुमान मंदिर, सिविल लाइंस के हनुमत निकेतन में साल के आखिरी दिन दर्शन के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। मंगलवार को चंद्रशेखर आजाद पार्क, हाथी पार्क, भरद्वाज आश्रम और आनंद भवन गुलजार रहा। महाकुंभ को देखते हुए पार्कों की सजावट लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही थी। जगह–जगह लोग देर रात तक सेल्फी लेते रहे। खानपान की दुकानों पर देर रात तक जमावड़ा लगा रहा। तारामंडल में कौशाम्बी, भदोही, फैजाबाद, वाराणसी से स्कूलों के बच्चे भी घूमने आए थे। सिविल लाइंस स्थित कामधेनु स्वीट्स, पैराडाइज, पैरामाउंट बेकर्स से लोगों ने डिजाइनर केक खरीदे। इस दौरान बेकरी व मिठाई की दुकानों पर भीड़ रही। कामधेनु स्वीट्स के इंदर मध्यान ने बताया कि इस बार सीजन अच्छा गया। छोटे केक भी खूब बिके। इसी तरह स्टेट्समैन बेकरी के राशिद सगीर ने बताया कि युवाओं ने केक खरीदने में काफी दिलचस्पी दिखाई। 31 दिसंबर की शाम फूलों का बाजार चटख हो गया। सिविल लाइंस में गुलाब 20 से 30 रुपये प्रति पीस बिका। नैनी फूल मंडी में गुलाब 500 रुपये प्रति गठरी, गुलदस्ता–बुके 200 से 300 रुपये में बिके। फूल मंडियों में गुलाब, गेंदा, आर्किड, फुलदादी, गुलदस्ते, बुके, गेंदा के फूल की माला, अशोक की पत्तियां और एरिका के पत्ते खरीदने को भीड़ रही।

महाकुंभ में नहीं लगता था कोई बाजार, 1808 से शुरू हुई थी मेलाधिकारी की तैनाती

प्रयागराज। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक सांस्कृतिक आयोजन के रूप में महाकुंभ की भव्यता–दिव्यता अपने शिखर की ओर बढ़ चुकी है। मेला सजाने में हजारों करोड़ खर्च किए जा रहे हैं। कारोबार भी कहीं इससे कई गुना ज्यादा होने की उम्मीद है। मगर, एक दौर ऐसा भी था, जब महाकुंभ में कोई बाजार नहीं लगता था। कुछ बिकता भी नहीं था। मेलाधिकारी की तैनाती भी 1808 से शुरू की गई थी। अंग्रेज सैनिक व लेखक थॉमस स्किनर ने 1882 में अपनी पुस्तक श्एएक्सकर्सस इन इंडियाश्श में प्रयाग के मेले का अद्भुत वर्णन किया है। लिखा है, महाकुंभ पूरी तरह एक धार्मिक संगम था। वहां बाजार नहीं थे। कोई वस्तु बिकती नजर नहीं आती थी। कुंभ में स्नान व धार्मिक आयोजन सादगी से ही होते थे। राजसी सवारियां तब भी आज की तरह भव्यता से निकलती थीं। अंग्रेज और ईस्ट इंडिया कंपनी के दूसरे कर्मचारी महाकुंभ को ग्रेट फेयर कहा करते थे। अंग्रेजों ने वर्ष 1808 के कुंभ में पहली बार फेलिक्स विंसेट रैपर को मेलाधिकारी बनाकर अधिकारियों की नई नियुक्ति की परंपरा शुरू की थी।

1838 के कुंभ के बारे में ब्रिटिश इंजीनियर डेविडसन अपने रोजनामे में लिखते हैं, प्रयाग की रेती पर पहुंचा तो बहुत–सी अस्थाई झोपड़ियां थीं। यह बांस और घास–फूस की बनी थीं। बीच–बीच में ईंधन के ढेर थे, जो बहुत महंगे बिकते थे। मेला करीब आधे मील तक फैला था। कलकत्ता क्रिश्चियन ऑब्जर्वर में एक ईसाई मिशनरी 1840 में लिखते हैं, उन्होंने कुंभ में दस दिन बिताए। कुंभ शुरू होने से बहुत पहले ही दलों (अखाड़ों) के संत अपने स्थान चुनकर तैयारी शुरू कर देते थे। अखाड़े के बड़े हाथियों पर निकलते थे। पीछे उनके शिष्य और साधु कुछ शानदार घोड़ों और ऊंटों पर भी सवार होते थे।

अतिथियों के लिए टीवी तो कोई खरीद रहा बेड, कमरे भी बनवाए

प्रयागराज। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए शहर के लोगों ने अपने आशियानों को सजाना शुरू कर दिया है। अब तक 213 लोगों ने अपने घरों के एक हिस्से को पेइंग गेस्ट हाउस योजना के तहत पर्यटन विभाग में पंजीकृत कराया है। इन लोगों ने श्रद्धालुओं के लिए टीवी और बेड खरीदे हैं। सीसीटीवी कैमरे और वाटर प्यूरीफायर लगवाए जा रहे हैं। पूजा के लिए कमरों में देवी–देवताओं की प्रतिमाएं भी रखी ही गई हैं। वहीं, एक व्यक्ति ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो नए कमरे भी बनवाए हैं। मोहत्सिमगंज निवासी समीर पांडेय बताते हैं कि अपने घर के पांच कमरे को निर्माला इन के नाम से पेइंग गेस्ट रूम के रूप में दर्ज कराया है। यहां पांच नए डबल बेड, पांच टीवी, गीजर के साथ सीसीटीवी भी लगवाया है। इन सबसे अब तक लगभग 2.5 लाख रुपये खर्च हुए हैं। ओडिशा के काजू व्यापारी धीरेंद्र महापात्रा ने उनके घर रुकने के लिए पांच से आठ जनवरी तक बुकिंग कराई है। उनके साथ परिवार के 15 लोग संगम में डुबकी लगाने आएंगे। इसी तरह महाराष्ट्र, लखनऊ और बरेली से भी श्रद्धालुओं ने बुकिंग कराई है। छिवकी निवासी संजय मिश्रा बताते हैं कि घर के प्रथम तल के छह कमरों को प्रयागराज के नाम से पर्यटन विभाग में दर्ज कराया है। इसके लिए 10 गद्दे, पांच एलईडी टीवी और सीसीटीवी भी लगवाया है। प्रदेश के अलावा सतना और अहमदाबाद से आने वाले लोगों ने यहां ठहरने की इच्छा जताई है। नैनी एफसीआई के पास रहने वाले राजेश श्रीवास्तव ने भी घर के दो कमरों को नक्षत्र होम स्टे के नाम से पर्यटन विभाग में दर्ज कराया है। उनके यहां तो 13 और 14 जनवरी की 2500 रुपये में बुकिंग भी हो गई है। इस राशि में वह मेहमानों को सुबह की चाय और नाश्ता भी देंगे। यहां मुंबई से दो लोग भी आएंगे। इसके अलावा वदोदरा से भी फोन कर पूछताछ की गई। तुलाराम बाग में गीता निकेतन मंदिर के सामने वाली गली में सुधांशु श्रीवास्तव ने श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्था के लिए दो कमरे बनवाए। यहां नया टीवी, बेड और गीजर भी लगवाया है। सरकार ने 500 घरों को पेइंग गेस्ट के रूप में लाइसेंस देने के लक्ष्य से इसको लागू किया था, लेकिन अब तक मात्र 213 लोगों ने आवेदन पत्र लिया है। इसमें से 40 लोगों को लाइसेंस दिया गया है। 61 लोगों के दस्तावेज मानक के अनुरूप हैं। जल्द ही इन सभी को प्रशिक्षण देकर लाइसेंस जारी किया जाएगा। वहीं, श्रद्धालुओं की देखरेख और उनसे अच्छा व्यवहार करने की मकान मालिकों को ट्रेनिंग दी गई। पर्यटन विभाग ने 100 से ज्यादा लोगों को पांच दिन की ट्रेनिंग दी गई।

महाकुंभ में आतंकी वारदात करने की धमकी, युवक ने इंस्टाग्राम पर की पोस्टय आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया

प्रयागराज। अब इंस्टाग्राम यूजर के अकाउंट से महाकुंभ को लेकर आतंकी वारदात करने की धमकी दी गई है। साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। नसर पठान के नाम से बने इंस्टाग्राम अकाउंट में एक युवक की तस्वीर लगी है, जिसने कंधे पर बैग टांग रखा है। इस अकाउंट से दोपहर 3रू14 पर एक पोस्ट किया गया है। पोस्ट में एक समुदाय को लेकर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ ही महाकुंभ में आतंकी वारदात करने की भी धमकी दी गई है। युवक ने खुद को भवानीपुर, पूर्णिया (बिहार) का रहने वाला बताया है। मामले में डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि साइबर थाना पुलिस पड़ताल में जुटी है। इंस्टाग्राम अकाउंट यूजर के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं, एसएसपी कुंभ राजेश द्विवेदी का भी कहना है कि जांच शुरू हो गई है। गौरतलब है कि इससे पहले पीलीभीत में खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के तीन आतंकियों के एनकाउंटर के बाद आतंकी पन्नू ने महाकुंभ को लेकर धमकी दी थी। इस मामले में पीलीभीत पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज किया है जिसकी जांच चल रही है।

हाईकोर्ट ने शीतकालीन अवकाश में सुनवाई करते हुए ध्वस्तीकरण आदेश पर लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शीतकालीन अवकाश के दौरान अति आवश्यक मामले की सुनवाई करते हुए हमीरपुर के याचियों के मकानों के खिलाफ जारी ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगा दी है। कहा कि आदेश के अनुपालन के लिए आज ही जिला मजिस्ट्रेट हमीरपुर को आदेश के कॉपी प्रस्तुत की जाए। मामले की सुनवाई तीन जनवरी को होगी। यह आदेश मनीष कुमार निगम की पीठ ने गुल मोहम्मद व अन्य की याचिका पर दिया। हमीरपुर की तहसील सदर के ग्राम खरौंज के निवासी गुल मोहम्मद, कल्लू, मोहम्मद अहमद, मुश्ताक अली, अली बख्श और महमूद अली को तहसीलदार ने 28 दिसंबर 2024 को ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया। निर्देश दिया कि वे विवादित परिसर को तीन दिनों के भीतर खाली कर दें। याचियों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर नोटिस को रद्द करने और प्रतिवादी अधिकारियों को शांतिपूर्ण कब्जे में हस्तक्षेप न करने का निर्देश देने की गुहार लगाई। याची के अधिवक्ता कमलेश कुमार त्रिपाठी ने दलील दी कि अवैध तरीके से नोटिस जारी कर कार्यवाही शुरू की गई है। याचियों ने डीएम की ओर से 28 नवंबर 2024 को खारिज की गई अपील को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। याचिका पर सुनवाई के लिए तीन जनवरी 2025 की तिथि नियत की गई है। इस बीच 28 दिसंबर 24 को जारी की गई ध्वस्तीकरण नोटिस अवैध है। कोर्ट ने ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगा कहा कि प्रतिवादी अधिकारियों के समक्ष आदेश की कंप्यूटरीकृत प्रति भी दाखिल कर सकते हैं।

नए साल पर स्टेटस सिंबल बना महाकुंभ, सोशल मीडिया पर पोस्ट और रील की भरमार

प्रयागराज। नए साल पर महाकुंभ लोगों का स्टेटस सिंबल बन गया है। बच्चे हों, पुरुष हों या फिर महिलाएं, यह सभी की पहली पसंद बन चुका है। सोशल मीडिया पर एक्टिव लोग अपने स्टेटस पर महाकुंभ से जुड़ी रील्स और वीडियो शेयर कर रहे हैं। महाकुंभ का क्रेज इस कदर है कि सोशल मीडिया पर महाकुंभ से संबंधित रील्स और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव सामान्य लोग हों या फिर इंफ्लुएंसर्स, सभी मेला क्षेत्र के सौंदर्य को अपने कैमरों में कैद कर रहे हैं और फिर इन वीडियो की रील्स बनाकर सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों के साथ शेयर किया जा रहा है। इन्हीं वीडियो और रील्स को लोग अपने वाट्सएप, फेसबुक समेत अन्य सोशल मीडिया टूल्स पर स्टेटस के रूप में भी सेव कर रहे हैं। वॉट्सएप स्टेटस से लेकर एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक रील्स पर महाकुंभ सबसे ज्यादा लोकप्रिय हो रहा है। महाआयोजन करीब आते देख लोगों का उत्साह भी बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स के अनुसार, इस समय लोग महाकुंभ की इमेज, ऑडियो और वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं। इसकी वजह से हर कोई महाकुंभ के विषय में अधिक से अधिक जानना और सुनना चाहता है। इस कारण इससे जुड़े वीडियो और रील्स के व्यूज बहुत तेजी से बढ़ते हैं, इसीलिए बड़ी संख्या में इंफ्लुएंसर्स यहां आकर विभिन्न माध्यमों से रील्स और वीडियो बनाकर उन्हें सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। ऑनलाइन पेमेंट कंपनियां भी महाकुंभ के प्रचार में जुट गई हैं। इसकी झलक उनके बारकोड स्कैनर में दिखाई दे रही है। पेटीएम समेत कई कंपनियों ने वेंडर्स को नए बारकोड स्कैनर वितरित किए हैं, जिसमें भव्य महाकुंभ की ब्रांडिंग की गई है। इस स्कैनर में बारकोड के ऊपर बड़े अक्षरों में भव्य महाकुंभ लिखा है। स्कैनर में शंख बजाते साधु, मंदिर, स्नान करती महिला, टेंट, संगम, गंगा में तैरते दीप, पांटून ब्रिज, बोट, दही जलेबी और सेल्फी लेते श्रद्धालुओं को दिखाया गया है।

शादी का वादा कर दुष्कर्म, मोबाइल पर भेजे अश्लील फोटो-वीडियो

प्रयागराज। जॉर्जटाउन में प्रतियोगी छात्रा ने युवक पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि शादी का वादा कर उससे दुष्कर्म किया गया। विरोध पर मारपीट करने के साथ ही अब मोबाइल पर अश्लील वीडियो व फोटो भेजे जा रहे हैं। उधर, एक नर्सिंग छात्रा ने भी दुष्कर्म का आरोप लगाकर परिचित युवक पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। तेलियरगंज निवासी प्रतियागी छात्रा ने पुलिस को बताया कि 2023 में वह जॉर्जटाउन स्थित कोचिंग में वह असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा की तैयारी करने जाती थी। वहां धर्मेंद्र नारायण मिश्रा भी आता था। आरोप है कि बातचीत शुरू होने के कुछ दिनों बाद वह शादी व नौकरी का झांसा देकर 14 अक्तूबर 2023 को उसे होटल में ले गया। वहां यह कहकर रोक लिया कि कल सुबह अधिकारी से मिलने चलना है। रात में उसने दुष्कर्म किया। किसी से शिकायत पर जान से मारने की धमकी दी। साथ ही फिर शादी का आश्वासन दिया। 26 सितंबर को सिविल लाइंस स्थित हनुमान मंदिर के पास बुलाकर मारपीट की व मोबाइल पटककर तोड़ दिया। पुलिस को सूचना देने पर भाग निकला। इसके बाद से वह अश्लील वीडियो, फोटो भेज रहा है। किसी से कुछ बताने पर फोटो वायरल करने की भी धमकी देता है। जॉर्जटाउन में ही नर्सिंग की एक छात्रा से भी शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जौनपुर निवासी पीड़िता का आरोप है कि रवि सरोज से वह 2022 में मिली, जो एसआरएन में नौकरी करता था। एक ही समाज से होने के कारण दोनों में बातचीत होने लगी। फिर सरकारी जॉब लगते ही शादी करने का वादा कर आरोपी दुष्कर्म करने लगा। बाद में किसी और से सगाई कर ली। पूछने पर कहा कि तुम्हारी नौकरी नहीं लगी और घरवाले ज्यादा दहेज नहीं दे पाएंगे। छात्रा का आरोप है कि उसे व मुंबई में रहने वाले उसके बड़े भाई को देर रात फोन से धमकी दिलवाई जा रही है। एसीपी कर्नलगंज राजीव यादव ने बताया कि तहरीर पर केस दर्ज किया गया है।

म्योहॉल हॉस्टल ने जीती आमंत्रण वॉलीबाल प्रतियोगिता की ट्रॉफी.

तीन दिवसीय प्रेमानंद स्मारक आमंत्रण वॉलीबाल प्रतियोगिता संपन्न।
पुलिस लाइंस क्लब प्रयागराज की टीम बनी उपविजेता।
तुषार को मैन ऑफ दी मैच तथा विवेक शुक्ला को मिला मैन अश्वफ दी सीरीज का पुरस्कार।

मेजाः स्थानीय गांव सोरांव पाँती के सार्वजनिक वॉलीबाल खेल मैदान पर तीन दिवसीय प्रेमानंद स्मारक आमंत्रण वॉलीबाल प्रतियोगिता संपन्न हुई। उक्त प्रतियोगिता में जूनियर बालक वर्ग की 12 टीमें तथा सीनियर पुरुष वर्ग की कुल 16 टीमों के खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपने क्रीडा–कौशल का प्रदर्शन किया। कल देर रात्रि दूधिया प्रकाश (फ्लड लाइट) कोर्ट में प्रतियोगिता का सेमीफाइनल व फाइनल मैच खेला गया। प्रतियोगिता के फाइनल मैच का मुकाबला में म्योहॉल स्पोर्ट्स हॉस्टल प्रयागराज एवं पुलिस क्लब प्रयागराज के बीच खेला गया। जिसमें म्योहॉल स्पोर्ट्स हॉस्टल प्रयागराज ने पुलिस क्लब प्रयागराज की टीम को 25 – 23, 24 – 26 व 25 – 23 अंकों से हराकर आमंत्रण वॉलीबाल प्रतियोगिता के ट्रॉफी जीत ली। विजेता टीम के तुसार को मैन ऑफ द मैच तथा उपविजेता टीम के विवेक शुक्ला को मैन ऑफ द सीरीज के पुरस्कार से नवाजा गया। इसके पूर्व खेले गए प्रथम सेमीफाइनल मैच में पुलिस क्लब प्रयागराज ने देव स्पोर्ट्स एकेडमी चाका,नैनी को 25 – 20 व 25 – 23 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया,वहीं दूसरे सेमीफाइनल मैच में म्योहॉल स्पोर्ट्स हॉस्टल ने एन. वाई.एस ऊंज की टीम को 25 – 18 व 25 – 21 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। प्रतियोगिता के दौरान फूलचंद गुप्ता, अल्ताफ अली, मुकेश शुक्ला, संतोष भास्कर, असफाक अहमद व रवि वर्मा आदि ने निर्णायक की भूमिका अदा की। सोरांव यूथ क्लब के अध्यक्ष राहुल द्विवेदी की अध्यक्षता में समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी, जनसेवक व भाजपा नेता इंद्रदेव उर्फ राजू शुक्ला ने विजेता व उपविजेता टीम कप्तान को ट्रॉफी तथा खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किया। इसके पूर्व विशिष्ट अतिथि द्वय के रूप में उपस्थित इंजीनियर नित्यानंद उपाध्याय और श्रीमती डॉ.स्वतंत्र मिश्रा प्रधानाचार्या दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। आयोजन समिति द्वारा वॉलीबाल के कई पूर्व खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। आयोजन समिति की ओर से प्रतियोगिता के संयोजक बाबा ओझा, प्रधान राजेश द्विवेदी, यूथ क्लब के मंत्री पंकज शुक्ला, पीयूष मिश्रा, मुकेश शुक्ला, चंचल प्रजापति, सोनू शुक्ला व मौषम कुशवाहा आदि ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। अंत में जिला वालीबाल एसोसिएशन के महासचिव आर.पी. शुक्ला ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों, दर्शकों तथा आगंतुक अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।।

क्रिकेट टूर्नामेण्ट के उदघाटन मैंच मे रोहित इलेवन को मिला विजेता खिताब

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के अझारा वार्ड मे बुधवार को क्रिकेट टूर्नामेण्ट के उदघाटन मैच में रोहित इलेवन की टीम विजेता रही। उदघाटन मैच घुइसरनाथ स्पोर्टिंग क्लब एवं रोहित इलेवन टीम के बीच रोमांचक दिखा। पहले बल्लेबाजी करते हुए घुइसरनाथ स्पोर्टिंग क्लब ने दस ओवरो मे पैतीस रन बनाए। जबाब में रोहित इलेवन की टीम ने दो विकेट पर ही छत्तीस रन बनाकर मैच जीत लिया। गणेश यादव मैन आफ द मैच रहे। अम्पायर ललित मिश्र व आशुतोष रजक रहे। संयोजक सभासद धर्मपाल गौतम ने विजेता टीम को पुरस्कृत किया। इस मौके पर अजय मिश्र आशीष, प्रभाकर मिश्र, कुलदीप तिवारी, मुकेश तिवारी, सुधाकर मिश्र, अंजनी मिश्र, विद्याशंकर मिश्र, ज्ञानप्रकाश तिवारी, विमल मिश्र, पवन मिश्र, उमेश मिश्र, अभिषेक मिश्र, विनय मिश्र, मनीष मिश्र, शिव मिश्र, ललित पाठक व प्रियम मिश्र आदि रहे।

ठाकुर जी के चरणों में नए साल का आगाज करने उमड़ी भीड़

-वृंदावन में श्रद्धालुओं का रहा सबसे ज्यादा दबाव

मथुरा। नए साल की शुरू आत ठाकुर जी के चरणों में करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड उमड रही है। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में नव वर्ष के दिन बुधवार को जनजन के आराध्य बांके बिहारी महाराज के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं भी भीड

उमड़ पड़ी। वृंदावन की गलियां श्रद्धालुओं से खचाखच रहीं। वहीं मंदिर के बाहर मार्ग पर भक्तों की भारी भीड़ लगी रही। भीड़ के बीच बच्चे, बुजुर्ग और महिलाओं को सर्वाधिक परेशानी का सामना करना पड़ा है। सुबह से ही बड़ी संख्या श्रद्धालु ठा. बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने के लिए पहुंचे। विद्यापीठ चौराहा से लेकर बांके बिहारी मंदिर तक श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। दाऊजी तिराहा से मंदिर के द्वार तक दर्शनार्थी कतार में लगे मंदिर तक पहुंचने का इंतजार करते देखे गए। भीड़ को नियंत्रित करने में जगह जगह लगे पुलिसकर्मी तैनात रहे। श्रद्धालु राधे राधे की रटना और हाथ में प्रसाद लिए मंदिर खुलने का इंतजार कर रहे थे। मंदिर के पट खुलते ही श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच मंदिर में प्रवेश किया, मंदिर श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया। भीड़ के दबाव के बीच श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य बांके बिहारी के दर्शन किए। हालांकि मंदिर के अंदर तैनात निजी गार्ड ने श्रद्धालुओं को दर्शन करते ही निकास द्वार की ओर बढ़ रहे थे। इसके बावजूद मंदिर में पैर रखने को जगह नहीं रही। भीड़ के दबाव और धक्का मुक्की के बीच श्रद्धालुओं को मुश्किल दर्शन हो सके। बांके बिहारी मंदिर के सेवायत मयंक गोस्वामी ने बताया कि नव वर्ष के अवसर ठाकुरजी के दर्शन और आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धालु आ रहे हैं। इसी कारण मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक है। नए साल पर दो तीन दिन और भीड़ रहेगी।

राजधानी में नए साल का जश्न, मंदिरों में दर्शन, चर्च में प्रार्थना कर दिन की शुरुआत

लखनऊ, संवाददाता। साल 2025 आखिर आ ही गया। लखनऊ में नए साल का जश्न मनाया जा रहा है। सुबह लोगों ने मनकामेश्वर और हनुमान सेतु मंदिर में दर्शन कर दिन की शुरुआत की। हजरतगंज में खासतौर पर लोग सेलिब्रेशन करने आ रहे हैं। चिड़िया घर, छोटा इमामबाड़ा, बड़ा इमामबाड़ा, रूमी गेट और घंटाघर में विशेष रूप से लोग नया साल मनाने पहुंच रहे हैं। ठंड को देखते हुए माल और सिनेमा घरों में खास व्यवस्था की गई है। शहर में जगह–जगह नए साल की मुबारकबाद के पोस्टर लगाए गए हैं। पुलिस प्रशासन सार्वजनिक जगहों पर मुस्तैद है। हजरतगंज से डालीगंज जाने वाले रास्ते पर जाम लग गया। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नए साल पर शहर की मुख्य सड़कों पर जाम के हालात बन गए। सिविल चौराहे से चिड़ियाघर, स्वास्थ्य भवन चौराहे से डालीगंज, बुद्धा पार्क से दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर और टीले वाली मस्जिद सड़क पर वाहन रेंगते नजर आए। नए साल पर लोगों की भारी आवाजाही के चलते चिड़ियाघर जाने वाले रास्ते पर जाम जैसे हालात हो गए। बाराबंकी के रहने वाले रजत नया साल मनाने लखनऊ आए।

रामपुरखास में चतुर्दिक विकास में तेजी से दिलायेंगे आदर्श क्षेत्र का दर्जा- प्रमोद तिवारी

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता ने बाबा धाम में मत्था टेक लोकमंगल की किया कामना

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने रामपुरखास को विकास के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के जरिए इसे प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ आदर्श क्षेत्र बनाए जाने का संकल्प जताया है। उन्होने कहा कि वह स्वयं तथा क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के प्रयास से क्षेत्र मे पुरवो तथा मजरो मे विद्युतीकरण के साथ लोगों को घर घर शुद्ध पेयजल मुहैया कराए जाने के लिए कृत संकल्पबद्ध हैं। वही उन्होने लालगंज नगर पंचायत को नगरीय विकास के क्षेत्र में सुसज्जित किये जाने के लिए ढांचागत विकास पर जोर दिया है। बुधवार को रामपुरखास के दौरे पर पहुंचे राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी लालगंज समेत विभिन्न स्थानो पर आयोजित कार्यक्रमों मे शामिल हुए। कार्यकर्ताओं से कैम्प कार्यालय पर मुलाकात कर उन्होनें संगठन की मजबूती के साथ विकास योजनाओं के संचालन में सहयोग मांगा। वहीं लालगंज मे नगर पंचायत के सभासदों ने चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी की अगुवाई में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी को नगर के विकास में कई नई परियोजनाओं की हालिया मंजूरी दिलाने के लिए माल्यार्पण कर सम्मानित किया। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने बाबा घुइसरनाथ धाम मे दर्शन पूजन किया। उन्होने नववर्ष पर यहां विशेष पूजन कार्यक्रम में देश के नवनिर्माण तथा क्षेत्र के विकास की मजबूती को लेकर बाबा से प्रार्थना किया। रानीगंज कैथौला में भी व्यापारियों ने राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी से मुलाकात कर उनका स्वागत किया। राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने रामपुर बावली, अमावां में भी लोगों से मुलाकात की। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख अमित सिंह पंकज, प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, केडी मिश्र, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, आरपी वर्मा, संजय पाण्डेय, एबादुर्रहमान, दारा सिंह, आशीष जायसवाल, पन्ने लाल पाल, शेरू खां, संजय सिंह, कैलाश नाथ तिवारी, अतुल शुक्ला, अभिनव शुक्ला, पप्पू तिवारी, मुरलीधर तिवारी, छोटे लाल सरोज, कुंवर ज्ञानेन्द्र सिंह, दयाराम वर्मा, शैलेन्द्र सिंह बघेल, आदि रहे।

चार दिवसीय खेल महोत्सव में पहले दिन छात्राओं का दिखा दबदबा

चिल्ड्रेन पैराडाइज स्कूल में स्पोर्ट मीट का एसडीएम ने किया शुभारंभ

लालगंज, प्रतापगढ़। सगरा सुंदरपुर स्थित चिल्ड्रेन पैराडाइस स्कूल सोसाइटी द्वारा संचालित रामकृपाल मिश्र इंटरमीडिएट कॉलेज में बुधवार को चार दिवसीय खेल महोत्सव का शुभारंभ हुआ। महोत्सव का उदघाटन उप जिलाधिकारी लालगंज नैंसी सिंह ने फीता काटकर किया। विद्यालय परिसर में खेल महोत्सव में उप जिलाधिकारी नैंसी सिंह ने सरस्वती मां के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उप जिलाधिकारी ने चार दिवसी खेल महोत्सव का शुभारंभ करते हुए बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि वह शिक्षा को दबाव के रूप में न ले जिस क्षेत्र में उनकी अभिरुचि हो उस क्षेत्र में आगे बढ़े। विद्यालय के प्रबंधक आदर्श मिश्र एवं प्रधानाचार्य विकास मिश्रा ने उप जिलाधिकारी लालगंज को प्रतीक चिन्ह अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। खेल महोत्सव के पहले ही दिन छात्राओ का दबदबा देखने को मिला। खो–खो में कक्षा नौ की छात्रोंओ ने विजेता का खिताब हासिल किया। हैंकी स्नैचिंग में मुकाबला टाई रहा। वही वॉलीबॉल में कक्षा दस के छात्रों ने सफलता हासिल की। कबड्डी में कक्षा बारह के छात्रों ने ग्यारह के छात्रों को हराकर विजेता का खिताब हासिल किया। हैंकी स्नैचिंग में कक्षा ग्यारह की बालिकाओं का दबदबा रहा और विजेता का खिताब हासिल किया। वॉलीबॉल के मुकाबले में कक्षा ग्यारह के छात्रों ने कक्षा बारह के छात्रों को धूल चटकार विजेता का खिसाब हासिल किया। बालिका वर्ग कबड्डी में बारह की छात्राएं विजेता बनने में कामयाब रही। जूनियर वर्ग में हैकी स्नैचिंग में कक्षा सात की छात्रोंओ ने कक्षा आठ की छात्राओं को हार का स्वाद चखाया। कक्षा नौ व दस की हुई कबड्डी में कक्षा नौ की छात्रा विजेता रही। जूनियर वर्ग मे कक्षा छः व सात में कबड्डी के मुकाबले में कक्षा छः के छात्रों को जीत हासिल हुई। प्राथमिक वर्ग मे एलकेजी मे म्यूजिक कल चेयर मे शिवाशीं गुप्ता, बनाना रेस मे आर्यन वर्मा, जलेबी रेस मे आविश खान ने प्रथम स्थान हासिल किया। यूकेजी मे म्यूजिक चेयर मे मानव वर्मा, जलेबी रेस निखत शेख, बनाना रेस मे मो. ईशान प्रथम विजेता का खिताब जीतने मे कामयाब रहे। कार्यक्रम का संचालन राज त्रिपाठी ने किया। मैच रेफरी की भूमिका मे शमशाद अहमद, अंकित पाण्डेय तथा उद्घोषक की भूमिका मे शिव नारायण तथा शुभम पाण्डेय रहे। अतिथियों का स्वागत विधालय के प्रधानाचार्य विकास मिश्र ने किया।

साल के पहले दिन बिजली कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में नए साल का आगाज बिजली कर्मियों ने विरोध के साथ किया। निजीकरण को लेकर लगातार चल रहा विरोध बुधवार भी जारी रहा। बड़ी संख्या में बिजली कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर जन जागरण करने की बात कही। इसके अलावा शक्ति भवन का भी घेराव करने की तैयारी है। निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को 25 संगठनों ने समर्थन दिया है। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे के मुताबिक राज्य कर्मचारियों के 25 संगठन जुड़ गए हैं। इन संगठनों से 16 लाख कर्मचारी जुड़े हैं।

कांटों के बिना पाए ये गुलाब नहीं हैं

प्रतापगढ। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नवीन बृहद हाल में फौजदारी के वरिष्ठ अधिवक्ता पंडित विपिन चंद्र पांडे का चौरासिवाँ जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया स जूनियर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष पंडित विजय शंकर त्रिपाठी पूर्व महामंत्री अनिल कुमार ओझा वरिष्ठ अधिवक्ता पंडित राज किशोर त्रिपाठी एवं साथी अधिवक्ताओं तथा उनके शिष्यों ने अंगवस्त्र डायरी इत्यादि सामग्री भेंट कर अभिनंदन किया स फूल मालाओं से वरिष्ठ अधिवक्ता का स्वागत नव वर्ष के साथ किया गया स इस अवसर पर एक विचार एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन भी किया गया जिसकी अध्यक्षता पं राज किशोर त्रिपाठी एवं संचालन सुरेश व्योम ने किया स इस अवसर पर पंडित राज किशोर त्रिपाठी ने कहा कि विपिन चन्द्र पांडे साथी अधिवक्ताओं व युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं स सुरेश नारायण द्विवेदी एवं उदय राज मिश्रा ने गीतों के माध्यम से पंडित जी को दीर्घ जीवन की मंगल कामना दिया स साहित्यकार प्रेम कुमार त्रिपाठी ने पंडित जी के बारे में पढ़ा –पन्ना पलट के देखो दधीचि पुत्र का,कांटों के बिना पाए ये गुलाब नहीं हैं स इस अवसर पर अधिवक्ता गण आनंद मिश्र सूर्य प्रकाश शर्मा परमानंद मिश्रा पत्रकार एवं अधिवक्ता शिवेश शुक्ला संपूर्णानंद पांडे इंद्रदेव मिश्रा संपूर्णा नंद पाण्डेय विपिन सिंह पुनीत कृष्ण कुमार वर्मा सहित तमाम लोग उपस्थित रहे स आभार एडवोकेट गंगेश्वर पाण्डेय ने प्रगट किया ।

दो से तीन दिनों में करवट लेगा मौसम, हवा का रुख बदलेगा, कम होगी गलन

लखनऊ, संवाददाता। नए विकसित हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के असर से बृहस्पतिवार से मौसम फिर से करवट लेगा। तेज हवाओं की वजह से प्रदेश में कोहरा छंटेगा, धूप खिलेगी और अगले दो से तीन दिनों में दिन के तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इससे कड़ाके की सर्दी, घने कोहरे और गलन भरी हवा से फौरी तौर पर राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पहाड़ों से आ रही उत्तरी पश्चिमी हवाओं का रुख बदलेगा। पछुआ के साथ दक्षिण की हवा भी शामिल होने से दिन और रात दोनों के तापमान में हल्की बढ़त देखने को मिलेगी साथ ही कोहरा छंटने से धूप खिलेगी और गलन भरी हवा से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। हालांकि इस बीच प्रदेश के तराई इलाकों समेत कहीं कहीं हल्के से मध्यम कोहरा देखने को मिलेगा। राजधानी लखनऊ की बात करें तो नए साल के पहले दिन बुधवार को सुबह सर्द पछुआ हवाएं चलीं, लेकिन दोपहर बाद धूप खिलने से मौसम खुशनुमा हो गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि मौसम के बदलाव के बीच अब उत्तर के पहाड़ों की ओर से आ रही हवा का रुख बदलेगा। कोहरा छंटेगा और धूप खिलने की परिस्थितियां बनेंगी। अगले दो से तीन दिन में रात के पारे में 2 से 4 डिग्री और दिन के पारे में 4 से 6 डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

सड़क हादसे में एसयूवी चला रहे युवक की मौत,नए साल का जश्न मनाकर लौट रहे थे

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में ओवरटेक करने के चक्कर में एक्सीडेंट हो गया। हादसे में दो लोग गंभीर घायल हो गए। इन्हें हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी। यह हादसा शहीद पथ पर हुआ। जानकारी के मुताबिक, सुशांत गोल्फ सिटी में टेंडर पॉम हास्पिटल के सामने मंगलवार रात ओवरटेक कर रही एसयूवी कार से टकरा गई। इसके बाद बेकाबू एसयूवी डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में एसयूवी ड्राइवर महेंद्र रावत (32) की मौत हो गई है। वहीं, गोसाईंगंज के अमेठी कस्बा निवासी अश्वनी रावत, दोस्त अकील व धर्मपाल घायल हो गए। सभी का इलाज चल रहा है। अश्विनी रावत प्लाटिंग का काम करते हैं। मंगलवार शाम वह अकील, धर्मपाल व चालक महेंद्र रावत के साथ एसयूवी से नए साल की पार्टी में शामिल होने गए थे। रात को करीब 11 बजे दो कारों से सभी लौट रहे थे। रास्ते में दो दोस्तों के बीच रेसिंग शुरू हो गई। इसी दौरान ओवरटेक करते समय महेंद्र की कार बेकाबू हो गई और आगे चल रही एक कार से जोरदार टक्कर हो गई। इससे एसयूवी डिवाइडर से टकराई और पलट गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पुलिस ने किसी तरह से एसयूवी में फंसे अश्वनी,अकील, धर्मपाल और महेंद्र को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचया। जहां महेंद्र को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बाकी तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी अंजनी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेस्पान्डेन्ट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समाअत अपील व निगरानी

माननीय न्यायालय अपर आयुक्त प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज

अपील/निगरानी स0 **सी C202402000001105** सन् 2024

फरीद जावेद अंसारी ... पक्ष

बनाम

तारिक निहाल अंसारी पुत्र निहालउद्दीन अंसारी, निवासी ग्राम 79 दोदीपुर, परगना व तहसील सदर, जनपद प्रयागराज।

... **प्रतिपक्ष/द्वितीय पक्ष**

आपको यह सूचना दी जाती है कि तारीख 20 माह 1 वर्ष 2025 समय दस बजे अपील / निगरानी की सुनवाई के हेतु नियत हुआ है। यदि आप इस न्यायालय में उक्त विषय पर स्वतः अथवा किसी अधिवक्ता के द्वारा उपस्थित न रहेंगे तो अपील/निगरानी की सुनवाई करके आपकी अनुपस्थित में निर्णय कर दिया जायेगा।

ता.पेशी 20/01/2025

अधीक्षक
आयुक्त मण्डल, प्रयागराज

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने **अपने पुत्र सैयद अहमद हुसैन व उसकी पत्नी मुसर्रत जहाँ** को अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से **बेदखल कर दिया है** तथा मैंने व मेरे परिवार के सभी अन्य सदस्यों ने उक्त दोनों से सारे संबंध समाप्त कर लिया है। उक्त सैयद अहमद हुसैन व मुसर्रत जहाँ द्वारा जो भी कानूनी अथवा गैरकानूनी कार्य अथवा उनके ऊपर यदि कोई मुकदमा होता है तो **उसके वे दोनो स्वयं जिम्मेदार होगें** । उसमें मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

जलीलुन निशा पत्नी स्व. सैयद अनवर अली
नि. निंदुरा थाना नवाबगंज, प्रयागराज

सार्वजनिक सूचना

बंधन बैंक लिमिटेड जिसकी शाखा लाल बहादुर शास्त्री मार्ग सिविल लाइन्स इलाहाबाद में है के ग्राहक की तरफ से यह घोषणा की जाती हैः-कि श्रीमती छहगारी देवी पत्नी राम अछैवर निवासी वीरभानपुर बक्सा जौनपुर आराजी नं. 120 मौजा करनपुर, परगना व तहसील सदर इलाहाबाद (क्षे. 126 वर्गमीटर) स्थित प्रॉपर्टी जिसकी चौहद्दी निम्न हैः-

पूरब-15 फीट रोड, पश्चिम-आराजी संख्या 77, उत्तर-आराजी संख्या 116 तथा दक्षिण-आराजी संख्या 119 व 118 है पर ऋण लेना चाहता है। उपरोक्त ग्राहक द्वारा यह घोषणा कि जाती है कि उपरोक्त संपत्ति का मूल विक्रय विलेख (क्रमांक 3853, दिनांक 19.09.2007) **खो गयी है** तथा अब इनके पास नहीं है इनकी इस घोषणा के आधार पर उनको उपरोक्त संपत्ति पर बिना मूल विक्रय विलेख (क्रमांक 3853, दिनांक 19.09.2007) के ऋण दिया जा रहा है।

अतः यदि किसी को, बैंक को किसी प्रकार कि कोई आपत्ति उपरोक्त संपत्ति पर या आधार हाउसिंग फाइनेंस लि. में बंधक रखने पर हैं तो नीचे दिए गए पते पर इस सूचना के प्रकाशन के सात दिनों के अंदर सूचित करे, इस समय के बाद किसी प्रकार का कोई क्लेम उपरोक्त संपत्ति पर स्वीकार्य नहीं होगा तथा इस समय सीमा के बाद मेरे ग्राहक द्वारा उपरोक्त संपत्ति को गिरवी रख कर ऋण लेने कि प्रक्रिया पूरी करेगा।

प्रद्युम्न श्रीवास्तव (एडवोकेट)
मो.नं.- 9450506647
प्रवीन सिंह (आर.ओ.आई.सी.)
मो.नं.- 6392566450

सम्पादकीय.....

मौत के बोरवेल

ऐसे समय में जब देश–दुनिया नये साल के जश्न में डूबने जा रही है मध्यप्रदेश व राजस्थान में खुले बोरवेल में गिरने से हुई दो बच्चों की मौत विचलित करती है। राजस्थान के दोसा जिले और मध्यप्रदेश के गुना की घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं। गाहे–बगाहे ऐसी खबरें पूरे देश से आती हैं। यह सोचकर ही मन सिहर उठता है कि कोई बच्चा कैसे एक अंधी सुरंग में भूखे–प्यासे, अपर्याप्त ऑक्सीजन व बिना हिले–डुले कुछ दिन मौत की प्रतीक्षा करता होगा। भय व घुप्प अंधेरे में बच्चा किन मानसिक व शारीरिक यातनाओं से गुजरता होगा, सोचकर भी डर लगता है। लेकिन फिर भी हमारा संवेदनहीन समाज व लापरवाह तंत्र इस त्रासदी को गंभीरता से नहीं लेता। जिस बोरवेल को खुदवाने में लाखों रुपये खर्च होते हैं, उसका मुंह बंद करने के लिये चंद रुपये खर्च करने में लोग आपराधिक लापरवाही दिखाते हैं। राजस्थान के कोटपुतली में बोरवेल में गिरी तीन साल की बच्ची को एक सप्ताह बाद भी न निकाला जाना तंत्र की विफलता को दर्शाता है। निस्संदेह, यह अभियान जटिल बताया जाता है और बारिश ने राहत कार्य में बाधा डाली, लेकिन शुरुआत में प्रशासन की शिथिलता पर सवाल उठे हैं। ऐसे अभियानों में राष्ट्रीय आपदा निरोधक बल तथा स्थानीय सुरक्षा बलों की नाकामी गाहे–बगाहे उजागर होती रहती है। निस्संदेह, ऐसे संकटों में तत्काल कार्रवाई और राहत– बचाव कार्य को आधुनिक तकनीक से शुरू करने की जरूरत महसूस की जाती रही है। यही वजह है कि आए दिन होने वाले बोरवेल हादसों के मद्देनजर देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2010 में इस बाबत दिशानिर्देश जारी किए थे ताकि ऐसे हादसों को टाला जा सके। जिसमें बोरवेल के चारों ओर बाड़ लगाने तथा मजबूत बोल्ट के साथ स्टील कवर लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आए दिन बोरवेल में बच्चों के गिरने के मामले सामने आ रहे हैं। जाहिर किसान व स्थानीय प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं। अन्यथा ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न होती। निस्संदेह, देश के विभिन्न भागों में बोरवेल हादसों का सामने आना जहां निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही को दर्शाता है, वहीं उन लोगों के आपराधिक कृत्य को भी दर्शाता है, जो बोरवेल का मुंह खुला छोड़ देते हैं। वहीं हादसे हमारे समाज में चेतना के अभाव को भी दर्शाते हैं कि खुले बोरवेल के खिलाफ आम लोगों के स्तर पर आवाज नहीं उठायी जाती। यह भी उल्लेखनीय है कि सिंचाई विभाग राज्यों का विषय होने के कारण इसमें केंद्र सरकार का दखल नहीं हो पाता। एक अनुमान के अनुसार देश में करीब पौने तीन करोड़ बोरवेल हैं। जिसमें से बड़ी संख्या में सूख चुके हैं। जिन्हें गैरजिम्मेदार लोगों द्वारा खुला छोड़ दिया जाता है, जो कालांतर हादसे की वजह बन जाते हैं। विडंबना यह भी है कि एनडीआरएफ द्वारा चलाये जाने वाले ऐसे राहत व बचाव के दो तिहाई अभियान नाकाम रहते हैं। दरअसल, सभी राज्यों में ऐसे मामलों में बच्चों की जान बचाने से जुड़े सुरक्षा उपाय हर जिले के अधिकारियों को एक मैनुअल के रूप में दिए जाने चाहिए। ताकि किसी हादसे के बाद राहत–बचाव कार्य तुरंत शुरू करके बच्चों को बचाया जा सके। संकट इस ओर भी इशारा करता है कि ऐसे मामलों में हमारा राहत व बचाव का तंत्र कितना शिथिल व निष्प्रभावी है। अकसर स्थिति जटिल होने पर सेना के विशेषज्ञों की भी मदद ली जाती है। कई बार इतनी देर बाद सेना के विशेषज्ञों को बुलाया जाता है कि बच्चों के बचने की उम्मीद क्षीण हो चुकी होती है। निश्चित रूप से बोरवेल की देखरेख करने वाली एजेंसियों के अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। ऐसे मामलों में लापरवाही दिखाने वाले अधिकारियों को दंडित करने की जरूरत है। उनका दायित्व बनता है कि खुले बोरवेल के मालिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें।

नीतीश को महंगा पड़ेगा छात्रों पर जुल्म

डॉ. दीपक पाचपोर

युवाओं के साथ यह जुल्म और उनकी अनसुनी नीतीश व उनकी गठबन्धन सरकार को महंगी पड़ सकती है। 70वीं संयुक्त (प्रारम्भिक) परीक्षा को लेकर 18 दिसम्बर से प्रदर्शन जारी है। रविवार को परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन का ऐलान कर रखा था।

बिहार में बीपीएससी परीक्षा में धांधली पर छात्रों का आंदोलन उठ खड़ा हुआ है। छात्रों की मांग है कि सभी 912 केन्द्रों में बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षाएं दोबारा हों। इस मांग पर पखवाड़े भर से जारी आंदोलन को कुचलने के लिये बिहार सरकार अब बर्बरता पर उतर आई है। रविवार की रात को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास एकत्रित हजारों परीक्षार्थियों पर पुलिस ने भीषण लाठी चार्ज किया और कड़कड़ाती ठंड में पानी की बौछारें फेंकी। उनका जमावड़ा सुबह से होने लगा था जिन्हें पुलिस बार–बार चेतावनी दे रही थी कि उन्हें प्रदर्शन की इजाजत नहीं है। इसे अनसुना करते हुए बड़ी संख्या में एकत्र हुए परीक्षार्थी पुलिस के बल प्रयोग से घायल हुए हैं तथा अनेक लोगों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज हुई है। नौजवानों के इस जुटान का फायदा लेने के लिये जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी पहुंचे और मुख्य सचिव से मिल आये। लौटकर उन्होंने इस बात का श्रेय लेने की कोशिश की कि श्वे 5 प्रतिनिधियों के मिलने की अनुमति लाने में सफल हुए हैं। यदि इसके बाद भी परीक्षार्थी संतुष्ट न हुए तो उससे ऊपर बात की जायेगी। हालांकि रविवार को जब लाठी चार्ज हो रहा था, तो वे मौके से गायब ही हो गये थे। बहरहाल, यह मुद्दा अब लगातार गर्मा रहा है और लोगों में रोष है। अगले साल बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं जिसके लिये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य भर में प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। युवाओं के साथ यह जुल्म और उनकी अनसुनी नीतीश व उनकी गठबन्धन सरकार को महंगी पड़ सकती है। 70वीं संयुक्त (प्रारम्भिक) परीक्षा को लेकर 18 दिसम्बर से प्रदर्शन जारी है। रविवार को परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन का ऐलान कर रखा था। पुलिस ने पहले ही मैदान के सारे गेट बन्द कर दिये। परीक्षार्थी फिर भी मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने लगे। उन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। जब वे इसके बावजूद नहीं रुके तो उन के खिलाफ बल प्रयोग किया गया। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा के लिये सितम्बर में विज्ञापन जारी हुआ था। इसमें शामिल होने के लिये लगभग 5 लाख लोगों ने आवेदन किया था। 3. 25 लाख ने 13 दिसम्बर को परीक्षा दी परन्तु इसके पर्चे लीक होने, कई कोचिंग संस्थानों द्वारा दिये गये प्रश्नपत्रों से सवाल मिलने तथा अन्य अनियमितताओं के कारण इस परीक्षा को रद्द करने की मांग होने लगी, लेकिन बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि श्परीक्षा रद्द होने का सवाल ही नहीं है। बेहतर है कि परीक्षार्थी मुख्य परीक्षा की तैयारियों में जुट जायें। यह मुद्दा कहां तक जाता है और सरकार परीक्षार्थियों की मांगें पूरी करती है या नहीं, यह तो आने वाला वक्त ही बतायेगाय परन्तु रविवार के प्रदर्शन में हुई पुलिस कार्रवाई का खामियाजा नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) एवं सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के गठबन्धन को भुगतना पड़ सकता है जिन्हें फिर से जनता का सामना करना है। प्रदर्शनकारियों का तो साफ कहना था कि श्उनकी परीक्षा के बाद 2025 में नीतीश कुमार सरकार की परीक्षा होगी।श इशारा साफ है कि दोनों पार्टियों का मताधार खिसक सकता है। इस प्रदर्शन पर हुई पुलिस कार्रवाई से आंदोलनकारियों के प्रति विभिन्न राजनीतिक दलों में भी नाराजगी हो गयी है। सीपीआई एमएल तो पहले से ही इस आंदोलन का समर्थन कर रहा है। प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता व पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि श्परीक्षार्थियों के साथ जो ज्यादती की गयी है, उसे देखकर कलेजा कांप जाता है। अन्य विपक्षी दल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी आदि भी नीतीश सरकार पर हमलावर हो गये हैं। यहां तक कि एनडीए में सहयोगी चिराग पासवान ने भी नीतीश सरकार से मांग की है कि छात्रों पर लाठी बरसाने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो। यह मामला नीतीश कुमार पर इसलिये भारी पड़ सकता है क्योंकि रोजगार बिहार का एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। जिस तरह से राज्य की इस सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण परीक्षा को सरकार की कार्यपद्धति ने संदिग्धा और अपारदर्शी बना दिया है, उसके कारण युवाओं एवं आम जनता में भारी रोष है। लोगों को अब वे दिन भी याद आ रहे हैं जब जेडीयू एवं आरजेडी की सरकार थी और जिस दौरान बड़ी तादाद में लोगों को रोजगार मिले थे। पिछले लगभग एक दशक में बिहार में सबसे ज्यादा भर्तियां उसी दौरान हुई थीं। इसे गर्व के साथ दोनों ही दल (जेडीयू–आरजेडी) बतलाया करते थे। परिस्थितियां तब बदलीं जब दोनों दल अलग हो गये। नीतीश कुमार ने पाला बदलकर भाजपा के साथ सरकार बना ली थी। उस अवसर पर जब विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी तो नीतीश कुमार एवं भाजपा के लोगों ने यह कहा था कि श्नौकरियां बांटने का काम केवल तेजस्वी ने नहीं किया बल्कि उसके पीछे सीएम का हाथ था। उनकी मंजूरी से ही भर्तियां हुई थीं। नौकरियां आगे भी मिलती रहेंगीं। बहरहाल, यह दावा गलत साबित हुआ। अब यह स्वीकार कर लिया गया है कि जितनी भर्तियां उस दौरान निकली थीं, उसका श्रेय तेजस्वी को ही जाता है क्योंकि उन्होंने इसके लिये विशेष अभियान चलाये थे। जब से जेडीयू–भाजपा की सरकार बनी, प्रदेश में भर्तियां एक तरह से या तो रूक गयी हैं या प्रश्न पत्र लीक होने अथवा उनके संदेहास्पद हो जाने के कारण परीक्षाएं रद्द होने का सिलसिला बना रहता है। नीतीश सरकार को चाहिये कि इस मुद्दे पर अविलम्ब आंदोलनकारियों से बात करे और जैसी कि उनकी मांग है, फिर से प्रारम्भिक परीक्षा का आयोजन करे।

2025: दिल्ली और विपक्षी एकजुटता

राजेंद्र शर्मा

नये साल, 2025 के संबंध में, गुजरता हुआ साल जाते–जाते कुछ महत्वपूर्ण संकेत दे गया है। इनमें प्रमुख चुनावी संकेतों पर नजर डाल ली जाए। गुजरे हुए साल को किसी भी तरह से क्यों न देखा जाए, इसे देश के स्तर पर भी एक बहुत ही घटनापूर्ण साल कहना पड़ेगा। इस साल, देश में बहुत ही महत्वपूर्ण और दिलचस्प आम चुनाव हुए। बेशक, इन चुनावों के नतीजे में, जैसा कि सभी जानते हैं, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भाजपा ने लगातार तीसरे बार सरकार बनाई है। लेकिन, यह भी सच किसी से छुपा हुआ नहीं है कि भाजपा की इस जीत में भी हार का एक बारीक स्वर समाया हुआ था। चार सौ पार के नारे के साथ और उसके बल पर संविधान ही बदल डालने के इरादों के साथ चुनाव में उतरी भाजपा, पिछले दो चुनावों में हासिल रहे अपने साधारण बहुमत और पिछले आम चुनाव में मिली 303 सीटों से बहुत पीछे, 240 के आंकड़े पर ही अटकी रह गयी और उसे सरकार बनाने के लिए एक ओर चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम, दूसरी ओर नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड आदि सहयोगी पार्टियों की बैसाखी का सहारा लेना पड़ा है। एनडीए के अपने सहयोगियों के साथ मिलकर भी सत्ता पक्ष बहुमत के आंकड़े से मुश्किल से बीस सीटें ज्यादा हासिल कर पाया है। इसका नतीजा यह हुआ है कि तीसरे कार्यकाल में मोदी की भाजपा के पहले करीब छरू महीने ने सचेत रूप से यह दिखाने की कोशिश करने में ही गुजरे हैं कि वह वाकई एक गठबंधन की सरकार चला रही है। यह बात दूसरी है कि यह कथित गठबंधन की सरकार भी, वास्तविक आचरण में मोदी के दूसरे कार्यकाल से खास अलग नहीं हैय तीसरे कार्यकाल में भी कम से कम महत्वपूर्ण निर्णयों के मामले में गठबंधन की कोई भूमिका नहीं है और निर्णयों का अधिकार अब भी सिर्फ मोदी की भाजपा के हाथ में है। हां! दूसरे कार्यकाल से भिन्न, कभी–कभार सत्ताधारी एनडीए की समारोही बैठकें जरूर होने लगी हैं, जिन्हें मोदी के पहले कार्यकाल के बाद भुला ही दिया गया था।मोदी के दूसरे और तीसरे कार्यकालों के बीच यह अंतर, आम चुनाव में विपक्ष की ताकत में जिस खासी बढ़ोतरी का नतीजा है, वह बेशक मोदी राज की लगभग सभी मोर्चों पर घोर विफलताओं पर और इन विफलताओं की ओर से ध्यान हटाने के लिए, बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिकता के उसके खुले खेल पर, आम भारतवासियों की नाराजगी का नतीजा है। लेकिन, आम लोगों की इस नाराजगी को एक विकल्प की ओर केंद्रित करने में, व्यापक विपक्षी एकता की उस परिघटना की केंद्रीय भूमिका रही थी, जिसने इंडिया नामक मंच के जरिए रूप ग्रहण किया था। संक्षेप में इस परिघटना ने मोदी नहीं तो कौन के रेहटॉरिकल सवाल का एक कन्विंसिंग जवाब जनता के सामने पेश कर दिया था। मोदी की जगह, इंडिया की सरकार! बेशक, इंडिया ब्लाक के गठन ने इस आम चुनाव में काफी दूर तक विपक्ष को पड़ने वाले वोट को एकजुट करने के जरिए, सत्ता पक्ष की गिनती की बढ़त को क्षति पहुंचाने का काम किया था। देश के बड़े हिस्से में, औपचारिक रूप से न सही, व्यावहारिक रूप से तो इस चुनाव में सीधे मुकाबले की स्थिति बन ही गयी थी। बहरहाल, इस मंच का प्रभाव विपक्ष के इस पहले ही मौजूद वोट को एक जगह इकठ्ठा करने तक ही सीमित नहीं थी। इससे ज्यादा नहीं तो कम से कम इतने ही महत्वपूर्ण रूप से इसने, विपक्ष की इस एकजुटता के साथ, प्रभावशाली तथा असरदार तरीके साथ, मोदी राज के जनविरोधी चरित्र के संबंध में आम लोगों को कन्विंस करने का भी काम किया था। और इससे बनी जन–भावना का एक महत्वपूर्ण नतीजा यह भी था कि जहां एक के मुकाबले एक उम्मीदवार की स्थिति नहीं भी बन सकी थी, वहां भी जनता ने खुद ही विपक्षी उम्मीदवारों में से इस विरोध की अभिव्यक्ति के लिए सबसे उपयोगी विपक्षी उम्मीदवार को चुन लिया था और विपक्ष के ही बाकी उम्मीदवारों को नकार कर मुकाबला व्यवहार में एक प्रकार से एक के मुकाबले एक उम्मीदवार का बना दिया था। इस तमाम पृष्ठ भूमि की थोड़ा विस्तार से याद दिलाने की जरूरत इसलिए पड़ी है कि नये साल के लिए राजनीतिक संकेतों को इस संदर्भ के बिना नहीं पकड़ा जा सकता है। यह संदर्भ, दिल्ली से जुड़े के मामले में आए संकेतों को समझने के लिए खासतौर पर जरूरी है। याद रहे कि नये साल में, दो ही महत्वपूर्ण चुनाव होने हैंकृसाल के पहले महीनों में दिल्ली का चुनाव और साल के मध्य में बिहार का चुनाव। दिल्ली के चुनाव के सिलसिले में वैसे तो संकेत, पांच साल पहले के विधानसभाई चुनाव के समीकरणों के कमोबेश ज्यों का त्यों दोहराए जाने के ही हैं। इस बार चुनाव में भी, पांच साल पहले हुए चुनाव की तरह ही न सिर्फ आम आदमी पार्टी विधानसभा में जबर्दस्त बहुमत–प्राप्त पार्टी की हैसियत से चुनाव मैदान में उतर रही है, उसका मुकाबला विधानसभा में इकलौती विपक्षी पार्टी के रूप में भाजपा से तो है ही, इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी भी चुनाव में तीसरा कोना बनाने की कोशिश कर रही है। लेकिन, 2020 के विधानसभाई चुनाव से यह समानता सिर्फ ऊपरी समानता है और इसके आधार पर पिछली बार के ही नतीजों की एक बार फिर पुनरावृत्ति का अनुमान लगाना, सतही ही कहा जाएगा। जाहिर है कि इन पांच सालों में और खासतौर पिछले करीब एक साल के दौरान, राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण बदलाव तो इंडिया मंच का उदय ही है। हालांकि, यह मंच प्राथमिक रूप से संसदीय चुनाव के लिए ही खड़ा किया गया था और संसदीय चुनाव से ठीक पहले भी और खासतौर पर संसदीय चुनाव के बाद, विधानभाई चुनावों में इस गठबंधन को, मुख्यतरू उसकी भाजपा–विरोधी धार के साथ ज्यों का त्यों बनाए रखना संभव भी नहीं हुआ है। संसदीय चुनाव के बाद से विधानसभाई चुनाव के जो दो चक्र गुजरे हैं, उनमें भी इस मामले में रिकार्ड मिला–जुला ही रहा है। जहां पहले चक्र में जहां जम्मू–कश्मीर में एक हद तक इंडिया ब्लाक को बनाए रखा जा सका था, हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच सीटों पर समझौता न होने के चलते, विपक्षी एकता की इस संकल्पना को धक्का लगा था। लेकिन, आम चुनाव के बाद से विधानसभाई चुनावों के दूसरे चक्र में, झारखंड तथा महाराष्ट्र, दोनों में ही कमोबेश इंडिया गठबंधन को बनाए रखा जा सका था। बहरहाल, दिल्ली के विधानसभाई चुनाव में एकजुट इंडिया ब्लाक के रूप में उतरने की वास्तव में कोई गंभीर कोशिश हुई हो, इसके कोई संकेत नजर नहीं आते हैं। बेशक, इसका कुछ न कुछ संबंध, आम चुनावों के अनुभव से भी है, जिनमें सीटों के तालमेल के तहत, दिल्ली की कुल सात सीटों में से कांग्रेस पार्टी ने तीन और आम आदमी पार्टी ने चार सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ा था और इसके बावजूद भाजपा दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटें जीतने में कामयाब रही थी, जैसे कि वह इससे पहले 2014 के चुनाव में भी सभी सीटें जीतने में कामयाब रही थी। इसलिए, लोकसभा चुनाव से एक सरल सा नतीजा यह निकाला जा सकता था और निकाल लिया गया लगता है कि भाजपा के विरुद्घ कांग्रेस और आप पार्टी के एक साथ आने का, चुनाव में कोई फायदा नहीं है। भाजपा और उसके सहयोगियों के खिलाफ विपक्षी दलों के चुनाव में एकजुट होने में, इस तरह के सरलीकरण के अलावा वस्तुगत समस्याओं का भी आना स्वाभाविक है। खासतौर पर जहां कोई विपक्षी दल सत्ता में हो, उसके प्रति एंटी–इन्कंबेंसी का कोई भी अन्य भाजपा–विरोधी पार्टी अपने समर्थन आधार यानी वोट को बढ़ाने के लिए उपयोग करना चाहेगी। इसके पीछे यह जायज चिंता भी हो सकती है कि अगर तमाम भाजपा–विरोधी सभी ताकतें सत्ताधारी पार्टी के पीछे लामबंद नजर आती हैं, तो भाजपा को ही एंटी–इन्कम्बेंसी का फायदा मिल जाएगा।

गांधी के अपमान के जरिए डॉ. अंबेडकर के अपमान को किनारे लगाने का खेल

प्रो. रविकान्त

अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर पटना में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रम में लोक गायिका देवी को गांधीजी के प्रिय भजन गाने पर माफी मांगनी पड़ी। एक लोकगीत के बाद गायिका देवी ने रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम भजन गाना शुरू किया। लेकिन जैसे ही उन्होंने ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान! गाया, बापू सभागार में मौजूद तमाम भाजपा कार्यकर्ताओं ने अल्लाह शब्द का विरोध करना शुरू कर दिया। यह विरोध यहां तक पहुंच गया कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने गायिका देवी पर दबाव डाला कि वह इसके लिए माफी मांगें, सॉरी कहें। गायिका देवी ने मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं और संघी हिंदुत्ववादियों के समक्ष माफी मांगी। इसके बाद पूर्व मंत्री अश्विनी चौबे ने जोर–जोर से श्जय श्रीरामश के नारे लगाए। प्रश्न यह है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का प्रिय भजन गाने पर एक लोक गायिका से माफी मंगवाने के क्या मायने हैं? प्रथम दृष्टया यह घटना गांधीजी और गायिका देवी के अपमान से जुड़ी हुई है, इसलिए यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या अब इस देश में गांधी का भजन गाना जुर्म हो गया है? दरअसल, संघी प्रयोगशाला में मुसलमान, अल्लाह, खुदा, मस्जिद जैसे शब्दों के प्रति इतनी नफरत घोल दी गई है कि जैसे ही ये शब्द कान में पड़ते हैं, प्रतिरोधा का गुबार खड़ा हो जाता है। भाजपा ने आईटी सेल द्वारा परोसे गए ज्ञान और नफरत के जरिए अपने समर्थकों को एक जोंबी ग्रुप में तब्दील कर दिया है। यही कारण है कि जैसे ही उन्होंने अल्लाह शब्द सुना, श्भक्तोंश को लगा जैसे किसी ने उनके कानों में खौलता हुआ तेल उड़ेल दिया। इसीलिए वे बेचौन होकर गायिका देवी के खिलाफ चिल्लाने लगे। नतीजे में गायिका देवी को माफी मांगनी पड़ी। लेकिन क्या यह मामला सिर्फ गांधी और गायिका देवी के अपमान तक महसूद है? या इसके पीछे कोई बड़ा खेल छिपा हुआ है? इसकी पड़ताल करने के लिए आयोजन और अपमान की टाइमिंग को समझने की जरूरत है। यह घटना 25 दिसंबर की है। जबकि इसका वीडियो एक दिन बाद 26 दिसंबर की शाम को वायरल होता है। इसके बाद अचानक तमाम टीवी चौनलों पर इसकी चर्चा शुरू हो जाती है। क्या प्राइम टाइम डिबेट के लिए यह खबर वायरल की गई थी? दरअसल, 26 दिसंबर को ही कांग्रेस पार्टी ने श्बेलगाम कांग्रेसश के 100 वर्ष पूरे होने पर कर्नाटक के उसी शहर, जो आज बेलगावी कहा जाता है, में अपनी वर्किंग कमेटी का अधिवेशन किया। बेलगाम कांग्रेस (1924) के लिए महात्मा गांधी पहली और आखिरी बार कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए थे। इस अधिवेशन की अध्यक्षता करते हुए गांधीजी ने हिन्दू – मुस्लिम एकता और खादी के साथ अस्पृश्यता निवारण को कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल किया। दरअसल, गांधी ने कांग्रेस को जमीन पर उतारने के लिए राजनीतिक आंदोलन के साथ सामाजिक कार्यक्रमों पर जोर दिया। यही कारण है कि कांग्रेस गांधी के नेतृत्व में तेजी से सामान्य लोगों के बीच लोकप्रिय हुई। गरीबों, वंचितों, किसानों के साथ–साथ दलितों और आदिवासियों को जोड़ने के लिए गांधी ने सुनियोजित कार्यक्रम शुरू किए। यही कारण है कि धीरे–धीरे कांग्रेस के साथ समूचा देश चल पड़ा। दलितों की मुक्ति के सवाल पर आगे चलकर उनका मुकाबला कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स से पढ़ाई करके भारत लौटे प्रभावशाली, बौद्धिक और अपने समाज के लिए समर्पित डॉ. अंबेडकर से हुआ। डॉ. अंबेडकर कांग्रेस और गांधीजी के अस्पृश्यता निवारण कार्यक्रम से संतुष्ट नहीं थे। वह त्वरित गति से सामाजिक बदलाव चाहते थे। लेकिन गांधीजी ब्राह्मणवादी सवर्णों का हृदय परिवर्तन की आकांक्षा लेकर उनके भीतर अपराध बोध पैदा करके दलितों का उद्धार करना चाहते थे। कहा जा सकता है कि दोनों का लक्ष्य एक ही था, लेकिन रास्ता और गति में काफी अंतर था। बावजूद इसके, अपवादों को छोड़कर दोनों एक दूसरे के प्रति सम्मान का भाव रखते थे। गांधीजी ने डॉ अंबेडकर को संविधान सभा में शामिल करने और प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाने के लिए नेहरू और पटेल को निर्देशित किया। डॉ. अंबेडकर ने गांधीजी के विश्वास को बरकरार रखते हुए भारत को एक बेहतरीन संविधान दिया, जिसे ग्रेनविल ऑस्टिन ने सामाजिक न्याय का दस्तावेज कहा है। इसके साथ ही डॉ अंबेडकर ने अपने जीवन– संघर्ष और विचारों के जरिए दलित–वंचित –शोषित समाज को सुनहरे भविष्य का सपना भी दिया। बेलगावी अधिवेशन में कांग्रेस ने अपने भीतर बड़ा बदलाव किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में और राहुल गांधी की वैचारिक स्पष्टता एवं संघर्ष के संकल्प के साथ कांग्रेस एक नए युग में प्रवेश कर रही है। पहली बार कांग्रेस महात्मा गांधी और डॉ अंबेडकर को एक साथ स्थापित करके संविधान बचाने की मुहिम को जमीन पर उतारने जा रही है। जाहिर तौर पर 26 दिसंबर के लिए प्राइम टाइम डिबेट का यह बड़ा मुद्दा था। लेकिन पटना में महात्मा गांधी के प्रिय भजन और लोक गायिका के अपमान के मुद्दे के जरिए भाजपा ने हैडलाइन मैनेजमेंट ही नहीं किया बल्कि कांग्रेस अधिवेशन को पूरी तरह से ब्लैकआउट कर दिया। लेकिन इस घटनाक्रम के पीछे असल कारण कोई और है। शीतकालीन सत्र के दौरान अमित शाह ने संसद में बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर का अपमान किया था। संविधान और डॉ अंबेडकर को लेकर पिछले कुछ समय से मुखर विपक्ष को घेरते हुए अमित शाह ने बड़े हिकारत से कहा था कि श्आजकल अंबेडकर... अंबेडकर करना फैशन हो गया है। अगर इतनी बार भगवान का नाम लिया होता तो सात जन्म के लिए स्वर्ग मिल जाता।श इस मुद्दे पर कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष ने अमित शाह से माफी मांगने और इस्तीफा देने की मांग करते हुए संसद से सड़क तक विरोध किया। इसके मुकाबले में भाजपा और आरएसएस को कोई जवाब नहीं सूझ रहा था। हालांकि नरेंद्र मोदी ने एक दिन में लगातार पांच ट्वीट करके अमित शाह को बचाने की पुरजोर कोशिश की। लेकिन उतनी ही आक्रामकता के साथ कांग्रेस पार्टी ने अमित शाह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। राहुल गांधी ने नीले रंग की टीशर्ट पहनकर श्मैं भी अंबेडकरश लिखे नारे वाले पोस्टर के साथ संसद में प्रदर्शन किया। राहुल गांधी पिछले दो साल से लगातार संविधान और सामाजिक न्याय की आवाज बुलंद कर रहे हैं। पचास फीसदी आरक्षण की सीमा को बढ़ाने, जाति जनगणना और दलित, ओबीसी, आदिवासियों को सभी क्षेत्रों में समुचित प्रतिनिधित्व देने की बात वे लगातार कर रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी डॉ अंबेडकर की जन्मस्थली महू गए। लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने संविधान बचाने की मुहिम चलाई। नतीजा यह हुआ कि चार सौ सीटें जीतने का सपना देखने वाली भाजपा बहुमत भी हासिल नहीं कर पाई। राहुल गांधी और विपक्ष ने इस बात को पहचान लिया कि संविधान और डॉ अंबेडकर के सम्मान को लेकर देश का दलित वंचित समाज बेहद सचेत और आक्रामक है।

थामा के सेट से रश्मिका मंदाना ने साझा किया वीडियो, साथ नजर आए आयुष्मान खुराना

पुष्पा 2' के बाद अभिनेत्री रश्मिका मंदाना एक बार फिर से धमाल मचाने को तैयार हैं। अभिनेत्री ने आयुष्मान खुराना के साथ आगामी फिल्म थामा के सेट से वीडियो साझा कर प्रशंसकों को जानकारी दी। वीडियो को रश्मिका मंदाना ने साझा करते हुए बताया कि दोनों पहली बार फिल्म 'थामा' में साथ काम करने को तैयार हैं। आगामी फिल्म 'थामा' सेट से एक वीडियो साझा करते हुए उन्होंने लिखा, उम्मीद है कि आप थामा–के–दार हॉलिडे मना रहे होंगे। 2025 में मिलते हैं। जानकारी के अनुसार फिल्म हॉरर–कॉमेडी हैं। 'मुंज्या' के निर्देशक आदित्य सरपोतदार इस फिल्म का निर्देशन करने को तैयार हैं। वहीं, दिनेश विजन और अमर कौशिक फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म की कहानी को नीरेन भट्ट, सुरेश मैथ्यू और अरुण फुलारा ने लिखा है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनने को तैयार फिल्म थामा दीपावली 2025 पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना के साथ परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी अहम भूमिका में हैं। रश्मिका ने हाल ही में एक पोस्ट साझा कर बताया दिसंबर को खास बताया था। 'एनिमल' की पहली सालगिरह पर बताया था कि दिसंबर का महीना उनके लिए क्यों खास है? रश्मिका मंदाना ने

> अभिनेत्री ने आयुष्मान खुराना के साथ आगामी फिल्म थामा के सेट से वीडियो साझा कर प्रशंसकों को जानकारी दी। वीडियो को रश्मिका मंदाना ने साझा करते हुए बताया कि दोनों पहली बार फिल्म 'थामा' में साथ काम करने को तैयार हैं। आगामी फिल्म 'थामा' सेट से एक वीडियो साझा करते हुए उन्होंने लिखा, उम्मीद है कि आप थामा–के–दार हॉलिडे मना रहे होंगे।

अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में अपने एक प्रशंसक की रील को शेयर कर लिखा था, "दिसंबर वास्तव में मेरे लिए बहुत खास रहा है। बहुत आभारी हूं। धन्यवाद धन्यवाद धन्यवाद।" एनिमल भी पिछले साल 1 दिसंबर को रिलीज हुई थी और इस साल पुष्पा 2 भी पर्दे पर आई। पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर सुपर डुपर कमाई कर रही है। वहीं, अब अभिनेत्री के पास साजिद नाडियाडवाला के बैनर तले बनी सलमान खान की फिल्म सिकंदर भी है। फिल्म साल 2025 में ईद पर रिलीज होगी। वो 'द गर्लफ्रेंड' में भी दिखेंगी तो लक्ष्मण उतेकर की ऐतिहासिक ड्रामा छावा में नजर आएंगी। इस फिल्म में रश्मिका के साथ विक्की कौशल लीड किरदार निभाएंगे।

मीडिया–मनोरंजन को बढ़ावा के लिए अक्षय कुमार ने की पीएम मोदी की तारीफ

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन की सराहना की। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अभिनेता ने पीएम के विजन को बेहतरीन बताया। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले अभिनेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल पर पीएम के पोस्ट री–पोस्ट कर लिखा, "यह मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नजरिया है। यह एक बेहतरीन विचार है। उम्मीद है कि वेव्स (डब्ल्यूएवीईएस) 2025 शिखर सम्मेलन एक शानदार ग्लोबल मंच होगा, जहां एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री एक साथ आएगी और आगे बढ़ेगी। रविवार को मन की बात कार्यक्रम में पीएम ने चर्चा करते हुए बताया था कि भारत अगले साल फरवरी में वेव्स 2025 का आयोजन करेगा। दिल्ली में 5 से 9 फरवरी तक दुनियाभर के कलाकार जुटेंगे। वेव्स में देश के साथ ही दुनिया के तमाम कलाकारों को वैश्विक मंच उपलब्ध मिलेगा। सफल फिल्मों के अलावा सोशल मीडिया को भी खिलाड़ी अभिनेता ने प्रशंसकों के साथ जुड़े रहने का माध्यम बनाया है। वह अक्सर लेटेस्ट पोस्ट शेयर करते रहते हैं। हाल ही में अभिनेता ने पत्नी ट्विंकल खन्ना को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के लिए इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें अभिनेत्री धूप में बैठे कॉफी का लुत्फ उठाती नजर आई थीं। इसके साथ ही वह वीडियो में मस्ती भी करती नजर आई थीं। अभिनेता ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, "जन्मदिन मुबारक हो टीना। तुम सिर्फ एक स्पोर्ट्स नहीं होय तुम पूरा गेम हो। मैंने तुमसे बहुत कुछ सीखा है, कैसे हंसना है जब तक मेरा पेट दर्द न करने लगे (और तुम लगभग हमेशा इसका कारण होती हो), कैसे अपना पसंदीदा गाना रेडियो पर बजने पर दिल खोलकर गाना है और कैसे सिर्फ इसलिए नाचना है क्योंकि मेरा मन करता है। तेरे वरगा सच में होर कोई ना। इससे पहले अक्षय ने अपने बेटे आरव को जन्मदिन की शुभकामना देते हुए इंस्टाग्राम पर सफारी आउटिंग की एक तस्वीर शेयर की थी।

अल्लू अर्जुन की जमानत याचिका पर फैसला 3 जनवरी को

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के संध्या थिएटर में भगदड़ मामले में अभिनेता अल्लू अर्जुन की नियमित जमानत याचिका पर नामपल्ली कोर्ट 3 जनवरी को अपना फैसला सुनाएगा। सोमवार को कोर्ट ने याचिकाकर्ता की दलीलें और पुलिस द्वारा दायर जवाबी दलीलें सुनीं। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट ने 27 दिसंबर को याचिका पर सुनवाई की थी। चूंकि पुलिस ने जमानत याचिका पर जवाबी दलीलें दाखिल करने के लिए समय मांगा था, इसलिए कोर्ट ने सुनवाई 30 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी थी। गत 13 दिसंबर को चार सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत देते हुए हाई कोर्ट ने अल्लू अर्जुन से नियमित जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जाने को कहा था। अल्लू अर्जुन को 4 दिसंबर को संध्या थिएटर में 'पुष्पा 2रू द रूल' के प्रीमियर शो के दौरान हुई भगदड़ के सिलसिले में दर्ज मामले में 13 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें एक महिला की मौत हो गई थी। अभिनेता को नामपल्ली कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उनके वकीलों ने हाई कोर्ट में अपील की, जहां से उन्हें उसी दिन अंतरिम जमानत मिल गई थी। मामले में आरोपी नंबर 11 के तौर पर नामित अभिनेता को अगले दिन चंचलगुडा जेल से रिहा कर दिया गया था। चूंकि 14 दिन की न्यायिक हिरासत अवधि 27 दिसंबर को समाप्त हो गई थी, इसलिए अभिनेता को आगे के लिए कोर्ट में पेश होना पड़ा। कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद अभिनेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे। भगदड़ के अगले दिन पुलिस ने थिएटर प्रबंधन, अल्लू अर्जुन और उनकी टीम पर गैर–इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने जांच के तहत 24 दिसंबर को अल्लू अर्जुन से पूछताछ की। घटना के सीसीटीवी फुटेज को कलेक्ट करके पुलिस ने 10 मिनट के तैयार वीडियो के आधार पर चिक्कड़पल्ली थाने में उनसे तीन घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी।

रयूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर संग म्यूजिक इवेंट एंजॉय करती दिखीं कृति सेनन,क्या हुआ तेरा वादा पर थिरकीं हसीना

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन पिछले कई दिनों से अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। दरअसल, चर्चा ये है कि एक्ट्रेस बिजनेसमैन कबीर बहिया के साथ रिलेशनशिप

बॉलीवुड से परेशान हुए अनुराग कश्यप ने किया मुंबई छोड़ने का ऐलान, कहा, यहां रहकर बूढ़े आदमी की तरह मर जाउंगा

बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में देने वाले डायरेक्टर अनुराग कश्यप आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है। पिछले दिनों वह अपनी बेटी आलिया कश्यप की शादी को लेकर काफी चर्चा में रहे थे। वहीं, अब हाल ही में उन्होंने एक बड़ा फैसला लेकर फैंस को चौंका दिया है। अनुराग कश्यप ने मुंबई छोड़ देने का फैसला किया है और बात का खुलासा उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में किया है। उनके इस फैसले के बाद हर कोई हैरान है और इसके पीछे की वजह जानना चाह रहा है। तो आइए जानते हैं उन्होंने ये फैसला क्यों लिया..अनुराग कश्यप ने इंटरव्यू में कहा है कि उनके अंदर फिल्में बनाने का उत्साह खत्म हो गया है। वो इसका कारण एक्टर्स की टैलेंट एजेंसियों को ठहरा रहे हैं, जिन्होंने एक नया चलन शुरू किया है, जिसमें एक्टर्स को एक्टिंग के बजाए स्टार बनने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में रिस्क फैक्टर कम होने और रीमेक बनने को लेकर चिंता जताई जिससे उन्हें कुछ नया करने को नहीं मिल पा रहा।अनुराग ने कहा कि आज के समय में मैं बाहर जाकर कोई नई अलग तरह की फिल्म नहीं बना सकता, क्योंकि सबकुछ अब पैसे पर आ गया है। मेरे प्रोड्यूसर्स सिर्फ फायदे और मार्जिन के बारे में सोचते हैं। फिल्म शुरू होने से पहले ही सब ये सोचते हैं कि इसे कैसे बेचेंगे। तो वो फिल्म बनाने का मजा अब खत्म हो चुका है। इसलिए मैं अगले साल मुंबई छोड़कर साउथ में शिफ्ट होने जा रहा हूं। मैं वहां जाना चाहता हूं जहां काम करने के लिए सब उत्सुक रहें। वरना मैं एक बूढ़े आदमी की तरह मर जाउंगा। मैं अपनी ही इंडस्ट्री से निराश और परेशान हो गया हूं। मैं परेशान हो गया हूं उनकी सोच से। हिंदी सिनेमा की सोच को लेकर अनुराग ने कहा कि वो श्मंजुम्मेल बॉयजश जैसी फिल्में तबतक नहीं बना सकते जबतक वो इसका रीमेक का बनाएं। उन्होंने कहा, श्वहां की सोच ये है कि वो फिल्म दोबारा से बनाओ जो चल गई। उन्हें कुछ नया नहीं बनाना है। अनुराग कहते हैं कि पहली जेनेरेशन के एक्टर्स के साथ काम करना बेहद मुश्किल होता है क्योंकि उन्हें स्टार बनने का शौक है। वो एक्टिंग नहीं करना चाहते। एजेंसियां पहले किसी को भी स्टार नहीं बनाती, लेकिन जिस वक्त वो एक्टर स्टार बनता है वो उससे खूब सारा पैसा लूटती है। उनका काम होता है एक अच्छे टैलेंटेड एक्टर को ढूंढना। जब एक फिल्म बनती है, तो वो उस एक्टर को पकड़कर पहले उसे स्टार बनाते हैं। फिर उसके दिमाग में उलटी–सीधी बातें डालते हैं। उन्हें बताते हैं कि आपको एक स्टार बनने के लिए क्या–क्या करना होगा। वो एक्टर्स को वर्कशॉप में नहीं भेजेंगे, लेकिन जिम भेज देंगे वर्कआउट कराने। ये सब अब ग्लैम–ग्लैम ही रह गया है क्योंकि सभी को सबसे बड़ा स्टार बनना है। अनुराग ने एक्टर्स के करियर के साथ खिलवाड़ करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने बताया कि एक बार एक एक्टर किसी एजेंसी की बात सुनकर उनकी फिल्म छोड़कर चला गया था, लेकिन बाद में उन्हीं के पास वापस आया क्योंकि उस एजेंसी ने उन्हें धोखा दे दिया था। स्टार ट्रीटमेंट का जिम्मेदार ओटीटी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स को ठहराते हुए उन्होंने कहा कि एक अच्छी फिल्म बनाने के बजाए हम इस बात पर ध्यान देते हैं कि हमें कैसे स्टार की तरह ट्रीट किया जाए।

में हैं। दोनों को कई बार एकसाथ स्पॉट किया जा चुका। हाल ही में कृति को कबीर बहिया के साथ क्रिसमस सेलिब्रेट करते देखा गया था। वहीं अब इस रूमर्ड कपल का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल हाल ही में कृति सेनन और उनके रूमर्ड बॉयफेंड बिजनेसमैन कबीर बहिया को राहत फतेह अली खान के कॉन्सर्ट में एकसाथ देखा गया था। इस दौरान कपल के साथ एक्ट्रेस की बहन नूपुर सेनन और एमएस धोनी भी नजर आए। इवेंट का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। वीडियो में एमएस धोनी के साथ कृति सेनन और उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया भी दिखाई दिए। सभी लोग सिंगर द्वारा गाया जा रहा 'क्या हुआ तेरा वादा' गाना एंजॉय कर रहे हैं। वीडियो में पहले एमएस धोनी के साथ कृति नजर आती हैं जो बाद में कबीर को भी अपने पास बुला लेती हैं। वीडियो में एक्ट्रेस ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस में काफी सुंदर लग रही हैं। खबरों की मानें तो कृति सेनन इन दिनों कबीर बहिया के साथ दुबई में हैं। जहां ये रूमर्ड कपल एकसाथ न्यू ईयर मनाने वाला है। वहीं इससे पहले दोनों ने साथ में क्रिसमस भी सेलिब्रेट किया था। कृति के लिए साल 2024 बेहद खास रहा है। वो तीन बड़ी फिल्मों में नजर आई थी जिसमें शाहिद कपूर के साथ तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, करीना कपूर खान और तब्बू के साथ फिल्म क्रू और काजोल के साथ फिल्म दो पत्ती का नाम शामिल है।

पिगमेंटेशन की समस्या को दूर करने के लिए बादाम तेल से बनाएं ये तीन सीरम

पिगमेंटेशन एक आम स्किन समस्या है, जो त्वचा पर काले धब्बे या असमान रंगत के रूप में दिखती है। यह सूरज की तेज किरणों, हार्मोनल बदलाव, तनाव या उम्र के साथ बढ़ सकती है। बादाम तेल एक प्राकृतिक और असरदार उपाय है, जो पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है। इसमें विटामिन ई, एंटीऑक्सिडेंट्स और मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड्स होते हैं, जो त्वचा को नमी प्रदान करने और त्वचा की रंगत को समान बनाने में मदद करते हैं। आज हम आपको बादाम तेल से बने तीन असरदार सीरम के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपकी त्वचा की पिगमेंटेशन को दूर कर सकते हैं।

बादाम तेल और नींबू का सीरम

सामग्री

2 चम्मच बादाम तेल

1 चम्मच नींबू का रस

विधि

एक बाउल में बादाम तेल और नींबू का रस डालें। इसे अच्छे से मिला लें और एक कटोरी में भरकर रख लें। इस मिश्रण को रात में सोने से पहले प्रभावित जगह पर लगाएं। नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग एजेंट्स होते हैं, जो पिगमेंटेशन को हल्का करने में मदद करते हैं, जबकि बादाम तेल त्वचा को नमी देता है और उसकी रंगत को समान बनाता है। यह सीरम पिगमेंटेशन को धीरे–धीरे हल्का करता है। त्वचा को निखारने में मदद करता है।

बादाम तेल और गुलाब जल का सीरम

सामग्री

2 चम्मच बादाम तेल

1 चम्मच गुलाब जल

विधि

बादाम तेल और गुलाब जल को अच्छे से मिलाकर एक बोतल में भर लें। इसे चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं और मसाज करें। गुलाब जल में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो त्वचा को ठंडक और राहत देते हैं। साथ ही, बादाम तेल त्वचा के दाग–धब्बों को हल्का करता है। यह सीरम त्वचा को हाइड्रेट करता है और पिगमेंटेशन को कम करता है। त्वचा की सूजन और जलन को कम करने में मदद करता है।

बादाम तेल और शहद का सीरम

सामग्री

2 चम्मच बादाम तेल

1 चम्मच शहद

विधि

बादाम तेल और शहद को अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को प्रभावित जगह पर रात में सोने से पहले लगाएं। शहद त्वचा को पोषण देता है और दाग–धब्बों को हल्का करता है, जबकि बादाम तेल त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाता है। यह सीरम त्वचा को पोषण देता है और पिगमेंटेशन को दूर करता है। यह प्राकृतिक तरीके से त्वचा को निखारने में मदद करता है। पिगमेंटेशन को कम करने के लिए बादाम तेल से बने ये तीन सीरम बेहद प्रभावी हैं।

इन सीरम्स का नियमित उपयोग करने से आपकी त्वचा में सुधार होगा और पिगमेंटेशन की समस्या कम हो जाएगी। हालांकि, परिणाम देखने में कुछ समय लग सकता है, लेकिन यह प्राकृतिक तरीके से त्वचा को निखारने और हल्का करने में मदद करते हैं।

साल 2025 में ऐसे रखें अपने दिल का ख्याल: हार्ट हेल्थ के लिए अपनाएं ये आसान टिप्स

नए साल का आगाज होने वाला है और हर कोई अपनी लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने के नए संकल्प ले रहा है। अगर आप भी 2025 में अपनी सेहत को प्राथमिकता देना चाहते हैं, तो हार्ट हेल्थ को जरूर अपने रेजोल्यूशन का हिस्सा बनाएं। हार्ट डिजीज आजकल तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन कुछ आसान टिप्स को फॉलो कर आप अपने दिल को स्वस्थ रख सकते हैं।

आइए जानते हैं हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाए रखने के 8 खास उपाय–

नियमित रूप से एक्सरसाइज करें

अपने दिल को हेल्दी रखने के लिए शारीरिक रूप से सक्रिय रहना बेहद जरूरी है। नियमित एक्सरसाइज न केवल वजन को नियंत्रित करती है, बल्कि ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी सही बनाए रखती है। आप साइकिलिंग, स्विमिंग, दौड़ना, पैदल चलना या योग जैसे व्यायामों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं। यदि आप ऑफिस में लंबे समय तक बैठे रहते हैं, तो हर घंटे में कुछ मिनट के लिए खड़े होकर स्ट्रेचिंग करें। नियमित व्यायाम करने से दिल को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषण मिलता है, जिससे यह लंबे समय तक स्वस्थ रहता है।

धूम्रपान से पूरी तरह दूर रहें

धूम्रपान दिल की बीमारियों और फेफड़ों के कैंसर का मुख्य कारण है। सिगरेट में मौजूद निकोटीन और अन्य हानिकारक रसायन रक्त वाहिकाओं को संकुचित करते हैं, जिससे रक्त प्रवाह बाधित होता है। इसके अलावा, यह शरीर में फ्री रेडिकल्स को बढ़ाता है, जो कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। अगर आप पहले से धूम्रपान करते हैं, तो इसे छोड़ने के लिए धीरे–धीरे कदम उठाएं। इसके लिए आप निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरपी या काउंसलिंग का सहारा ले सकते हैं। धूम्रपान छोड़ने से कुछ ही हफ्तों में हार्ट हेल्थ में सुधार दिखने लगता है।

शराब से दूरी बनाएं

अत्यधिक शराब का सेवन दिल की धड़कन की अनियमितताओं और हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकता है। यह लिवर और किडनी को भी नुकसान पहुंचाता है, जो अंततः हार्ट हेल्थ पर प्रभाव डालता है। अगर आप कभी–कभार शराब का सेवन करते हैं, तो इसे संयमित मात्रा में लें। रेड वाइन, जो एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है, कम मात्रा में फायदेमंद हो सकती है, लेकिन इसका सेवन भी सीमित रखें। अपने रोजमर्रा के जीवन में शराब से पूरी तरह बचने की कोशिश करें और स्वास्थ्यवर्धक पेय विकल्पों को चुनें।

हार्ट फ्रेंडली डायट लें

अपने खाने में ज्यादा से ज्यादा मौसमी फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज और नट्स को शामिल करें। एवोकाडो, जैतून का तेल, और मछली जैसे अच्छे फैट्स से भरपूर आहार लें, क्योंकि ये दिल के लिए फायदेमंद होते हैं। नमक और शक्कर का सेवन नियंत्रित करें। पैकेज्ड और प्रोसेस्ड फूड से बचें, क्योंकि इनमें ट्रांस फैट और सेचुरेटेड फैट की मात्रा ज्यादा होती है। घर का बना खाना ज्यादा से ज्यादा खाएं और डीप फ्राई की जगह स्टीम या बेक्ड खाना पसंद करें। ऐसा आहार दिल को मजबूती प्रदान करता है और बीमारियों से बचाता है।

नियमित चेकअप करवाएं

अपनी दिल की सेहत के लिए ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर और हार्ट रेट की नियमित जांच करवाएं। डॉक्टर से सलाह लेकर समय–समय पर ईसीजी, ईको या स्ट्रेस टेस्ट करवाएं। यह आदत न केवल आपको बीमारियों से बचाएगी, बल्कि किसी भी समस्या का समय पर पता लगाने में मदद करेगी। यदि आप फैमिली हिस्ट्री से प्रभावित हैं, तो नियमित चेकअप आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वास्थ्य बीमा का लाभ उठाकर चेकअप को आसान बनाएं।

तनाव से बचें

तनाव आपके दिल की सेहत पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। जब आप तनाव में होते हैं, तो आपका ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और शरीर में कॉर्टिसोल नामक हार्मोन का स्तर बढ़ता है। यह दिल पर दबाव डालता है। तनाव को कम करने के लिए अपनी दिनचर्या में मेडिटेशन, गहरी सांस लेने की तकनीक, और माइंडफुलनेस का अभ्यास करें। अपने शौक जैसे गाना सुनना, पेंटिंग करना, या किताबें पढ़ना तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। अपनी समस्याओं को दोस्तों और परिवार के साथ साझा करें और पॉजिटिव सोच बनाए रखें।

भरपूर नींद लें

नींद की कमी दिल की बीमारियों के लिए बड़ा जोखिम है। जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते, तो आपका शरीर स्ट्रेस हार्मोन रिलीज करता है, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। सोने से पहले मोबाइल और अन्य स्क्रीन से दूरी बनाएं और एक निश्चित समय पर सोने और जागने की आदत डालें। अच्छी नींद लेने से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है और दिल के साथ–साथ मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। एक शांत और आरामदायक वातावरण में सोने की कोशिश करें।

शरीर को हाइड्रेट रखें

पानी आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाता है। यह आपके हार्ट की कार्यक्षमता को बनाए रखने में मदद करता है। दिनभर में कम से कम 8–10 गिलास पानी पिएं। गर्मियों में पानी की मात्रा बढ़ा दें और शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए नारियल पानी, नींबू पानी, और ताजे फलों के रस का सेवन करें। कोल्ड ड्रिंक्स और चीनी वाले पेय पदार्थों से बचें, क्योंकि ये आपके दिल के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

नए साल में अपने दिल की देखभाल करने का संकल्प लें। इन 8 आसान टिप्स को फॉलो करके आप अपने हार्ट को स्वस्थ रख सकते हैं और हार्ट डिजीज के खतरे को कम कर सकते हैं। 2025 को हेल्दी और खुशहाल बनाएं।

नोएडा से नजदीक है ये 5 जगहें, वीकेंड पर बनाएं घूमने का प्लान

नोएडा में चहल–पहल से भरा होता है। यहां पर कई मनोरंजक स्थलों का केंद्र है। अगर आप दिल्ली–एनसीआर में रहते हैं और आप दोस्तों या परिवार के साथ वीकेंड ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको ऐसी शानदार जगह बताने जा रहे हैं, जो काफी लोकप्रिय है और आसानी से आप जा भी सकते हैं। तो, आप किस बात का इंतजार कर रहे हैं? आइए नोएडा से की जाने वाली पांच सबसे रोमांचक सड़क यात्राओं के बारे में आपको बताते है।

अलवर, राजस्थान

इस लिस्ट में जयपुर से 150 किमी दूर और नोएडा से 200 किमी के भीतर स्थित है अलवर, यह शहर प्राचीन इतिहास के लिए भी जाना जाता है। अलवर में अपनी दुनिया के आकर्षण के साथ, एक किला है जो पहाड़ी की चोटी से सुंदर दृश्य और अद्भुत वास्तुकला देखने को मिलता है। किले के पास अन्य दर्शनीय स्थल हैं सिलिसेढ़ लेक पैलेस, सरिस्का टाइगर रिजर्व और पुराना करणी माता मंदिर।

हरिद्वार और ऋषिकेश, उत्तराखंड

आप उत्तराखंड के मंदिरों के शहर की यात्रा भी कर सकते हैं, जो नोएडा से 300 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जो लोग आध्यात्मिकता में डूबना चाहते हैं, वो लोग हरिद्वार और ऋषिकेश जा सकते हैं। हरिद्वार और ऋषिकेश में रहते हुए सूर्योदय और सूर्यास्त के दौरान आरती का

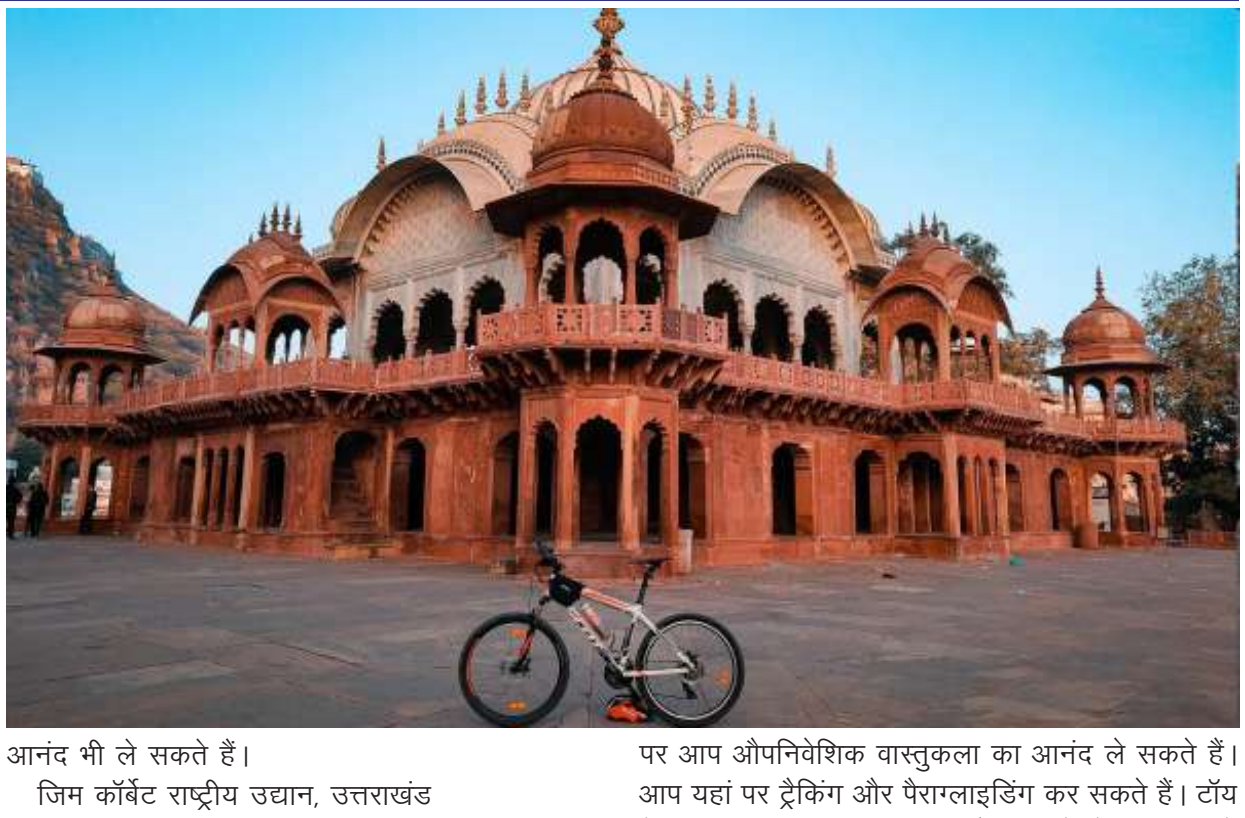

आनंद भी ले सकते हैं।

जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, उत्तराखंड

अगर आप भी रोमांच से भारी ट्रिप करना चाहते हैं, तो आप उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में जा सकते हैं। नोएडा से 300 किमी दूरी पर स्थित एक प्राकृतिक सुंदर जगह है। आप यहां पर सफारी पर सवारी कर सकते हैं और यहां के आप नेशनल पार्क और वन्यजीव देख सकते हैं। आप यहां से नजदीक नैनीताल भी घूम सकते हैं।

शिमला, हिमाचल प्रदेश

नोएडा से शिमला सिर्फ 400 किमी की दूरी पर है। यहां पर आप औपनिवेशिक वास्तुकला का आनंद ले सकते हैं। आप यहां पर ट्रैकिंग और पैराग्लाइडिंग कर सकते हैं। टॉय ट्रेन का आनंद लिया जा सकता है। पहाडों के सुंदर नजारे देख सकते हैं।

मथुरा और वृंदावन, उत्तर प्रदेश

अगर आप आध्यात्मिकता से जुड़ना चाहते हैं, तो आप नोएडा से 200 किलोमीटर दूरी पर मथुरा और वृंदावन जा सकते हैं। इस पवित्र तीर्थस्थल पर कई मंदिर हैं, जहां आप भगवान से आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही यहां का व्यंजन भी काफी स्वादिष्ट है।

सर्दियों में शकरकंद खाने से मिलते हैं ढेरों फायदे, जानिए कैसी होती है इसकी तासीर

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही कुछ चीजों की डिमांड तेजी से बढ़ती है। इन्हीं में से एक शकरकंद है। कुछ लोग इसको भूनकर खाते हैं, तो कुछ लोग उबालकर खाते हैं। इसकी गिनती फल और सब्जियों दोनों में की जाती है और यह ठंड में खूब बिकता है। शकरकंद न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होता है बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। शकरकंद में कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर के लिए अच्छे माने जाते हैं। बता दें कि शकरकंद में कार्बोहाइड्रेट और फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसकी वजह से लोग आलू की जगह शकरकंद खाने की सलाह देते हैं। शकरकंद में विटामिन ए की अच्छी मात्रा पाई जाती है। वहीं इसमें मौजूद फाइबर मेटाबॉलिज्म को तेज करता है। इसके अलावा शकरकंद में जिंक, कार्बोहाइड्रेट और मैग्नीशियम जैसे तत्व पाए जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसकी तासीर गर्म होती है या ठंडी। तो इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि शकरकंद की तासीर ठंडी होती है या गर्म।

ठंडा या गर्म होता है शकरकंद

बहुत से लोगों को शकरकंद खाना पसंद होता है। लेकिन लोग कंफ्यूज होते हैं कि इसकी तासीर ठंडी होती है या गर्म। तो बता दें कि शकरकंद की तासीर गर्म होती है, इसलिए सर्दियों में इसका अधिक सेवन किया जाता है। क्योंकि इसमें विटामिन सी की अच्छी मात्रा पाई जाती है। जो आपकी इम्यूनिटी को मजबूत करता है और फ्लू जैसी समस्याओं से बचाता है। साथ ही यह शरीर को सर्दी भी प्रदान करता है।

इन समस्याओं में है फायदेमंद

सर्दियों में शकरकंद का सेवन स्वास्थ्य के लिहाज से काफी फायदेमंद माना जाता है। इसको खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। शकरकंद में विटामिन सी की अच्छा मात्रा पाई जाती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। शकरकंद में फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और इसको खाने से पाचन में सुधार होता है। अगर आप खाना पचा नहीं पा रहे हैं, तो आपको इसको अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। सर्दियों के मौसम में लोग एक्सरसाइज करने में आलस करते हैं। जिसकी वजह से वजन तेजी से बढ़ता है। ऐसे में अगर आप अपनी डाइट में शकरकंद को शामिल करते हैं, तो फाइबर से भरपूर होने की वजह से आपको जल्दी भूख नहीं लगेगी और आप ज्यादा खाने से बच जाएंगे।

कब न खाएं शकरकंद

हम में से बहुत से लोग कभी भी शकरकंद का सेवन कर लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा करना आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए रात के समय शकरकंद खाने से बचना चाहिए और यदि आप मधुमेह या फिर मोटापे से पीड़ित हैं, तो आपको दोपहर 12 से 3 बजे के बीच शकरकंद खाना चाहिए। हालांकि आप शकरकंद को कई तरह से खा सकते हैं। आप इसको उबालकर, भाप में पकाकर या फिर बेक करके खा सकते हैं। आप सर्दियों में इसका सूप बनाकर भी सेवन कर सकते हैं।

संक्षिप्त

महिंद्राः भारत रक्षा के अलावा बहुत कुछ करने की स्थिति में, नए साल के संदेश में बोले आनंद महिंद्रा

बिजनेस डेस्क, अमर उजाला, नई दिल्ली, एजेंसी। भारत वैश्विक गठबंधनों में बदलाव के अवसर का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक क्षमता को बढ़ा सकता है और वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रणाली में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रह सकती है। महिंद्रा समूह के अध्यक्ष आनंद महिंद्रा ने अपने नए साल के संदेश में यह बात कही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत सिर्फ अपनी रक्षा करने के अलावा और भी बहुत कुछ करने की स्थिति में है। नए साल पर समूह के कर्मचारियों को भेजे गए संदेश में महिंद्रा ने कहा कि भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंध अधिकाधिक लेन–देन वाले बन सकते हैं, यह राष्ट्रीय हित और राष्ट्रीय ताकत के दम पर संचालित होंगे। महिंद्रा ने लिखा, ''वैश्विक स्तर पर पिछले कुछ वर्ष झटकों, बदलावों और अनिश्चितताओं से भरे रहे हैं। बीता वर्ष भी इसका अपवाद नहीं है। हम एक परिवर्तनशील विश्व देख रहे हैं, जहां परस्पर निर्भरता और समतल विश्व अतीत की बातें हो सकती हैं।'' महिंद्रा ने कहा, ''भारत अपनी रक्षा करने के अलावा और भी बहुत कुछ करने की स्थिति में है...यह सैन्य शक्ति का प्रदर्शन कर सकता है। यह राजनीतिक स्थिरता का दावा कर सकता है, जो इसके मजबूत लोकतंत्र पर आधारित है जो आम चुनाव में पूरी तरह से प्रदर्शित हुआ। आम चुनाव में एक अरब से अधिक लोगों के देश ने निर्बाध, शांतिपूर्ण व प्रभावी ढंग से मतदान किया।'' उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रणाली में प्रमुख स्थान पाने के लिए संबंधों व गठबंधनों में बदलाव लाकर और उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक क्षमता को बढ़ा सकता है।

जीएसटी संग्रह दिसंबर में 7.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपये पर, सरकारी आंकड़े जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जीएसटी संग्रह 32,836 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 40,499 करोड़ रुपये, एकीकृत आईजीएसटी 47,783 करोड़ रुपये और उपकर 11,471 करोड़ रुपये रहा। बुधवार को सरकार की ओर से इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। कुल सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व दिसंबर में 7.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1.65 लाख करोड़ रुपये था।

समीक्षाधीन महीने के दौरान घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 8.4 प्रतिशत बढ़कर 1.32 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात पर कर से राजस्व लगभग 4 प्रतिशत बढ़कर 44,268 करोड़ रुपये हो गया। नवंबर में जीएसटी संग्रह 8.5 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ 1.82 लाख करोड़ रुपये रहा। अब तक का सर्वाधिक संग्रह अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। इस महीने के दौरान 22,490 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 31 प्रतिशत अधिक है। रिफंड समायोजित करने के बाद, शुद्ध जीएसटी संग्रह 3.3 प्रतिशत बढ़कर 1.54 लाख करोड़ रुपये हो गया।

नए साल में बुजुर्गो को राहत, किसी भी शाखा से निकाल सकेंगे पेंशन

नया साल 2025 आ गया है। नए साल में आर्थिक मोर्चे पर कई बदलाव हुए हैं। आने वाले साल के लिए वित्तीय योजना बनाने से पहले इन बदलावों की जानकारी जरूरी है। नए साल में नियम बदल रहे हैं उनका सबसे बड़ा लाभ पेंशनधारकों को मिलेगा। अब वे देश में किसी भी शाखा से अपना पेंशन निकाल सकेंगे। 2025 में बैंकों के फिक्स्ड डिपॉजिट नियम, क्रेडिट कार्ड के फायदे और वीजा नियमों में बदलाव हो रहे हैं। आइए इनके बारे में विस्तार से जानें...

बुजुर्गों किसी भी शाखा से पेंशन निकालने की मिलेगी सुविधा

साल 2025 में पेंशनधारकों को राहत मिलने वाली है। 2025 से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) पेंशन के पैसों की निकासी के नियमों को सरल बना रही है। अब पेंशनभोगी किसी भी बैंक से अपनी पेंशन की राशि कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें किसी अतिरिक्त सत्यापन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे वयोवृद्धि पेंशनभोगियों बड़ी राहत मिलेगी। केंद्रीय पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) को ईपीएफओ की आईटी आधुनिकीकरण परियोजना, सीआईटीईएस 2.01 के हिस्से के रूप में लागू किया जाना है। इसकी शुरुआत 2025 में होगी। कर्मचारी पेंशन योजना के 78 लाख सदस्य नए साल में भारत में किसी भी बैंक शाखा से अपनी पेंशन ले सकेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, नए साल में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) एटीएम से पीएफ धन निकासी की सुविधा और ईपीएफ अंशदान सीमा को समाप्त करने सहित कई बदलाव भी लागू करने वाला है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और हाउसिंग फाइनेंस फर्मों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट नियमों में बदलाव किया है। नए एफडी नियम जनवरी 2025 में लागू होंगे। आरबीआई के दिशा–निर्देश सार्वजनिक जमा स्वीकार करने, तरल संपत्तियों का न्यूनतम प्रतिशत बनाए रखने और सार्वजनिक जमा को चुकाने जैसी शर्तों से संबंधित हैं। नए नियम के अनुसार, एनबीएफसी में एफडीधारक मैच्योरिटी से पहले छोटी जमा राशि (10,000 से कम) निकाल सकते हैं। इसके अलावे, थ्क धारक गंभीर बीमारी से पीड़ित होने की स्थिति में पूरी राशि निकाल सकते हैं।

बुमराह ने दर्ज की बड़ी उपलब्धि

टेस्ट रैंकिंग में सर्वोच्च रेटिंग अंक हासिल करने वाले भारतीय गेंदबाज बने

दुबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्टार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने साल 2025 के पहले दिन बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। बुमराह बुधवार को आईसीसी की जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग में सर्वोच्च रेटिंग अंक हासिल करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। बुमराह गेंदबाजों में शीर्ष पर मौजूद हैं और उन्होंने नया इतिहास रच दिया है। बुमराह ने बॉक्सिंग डे टेस्ट में नौ विकेट लिए थे।

बुमराह ने अश्विन को पीछे छोड़ा

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों में 30 विकेट लिए हैं और वह इस सीरीज में सबसे सफल गेंदबाज के तौर पर उभरे हैं। बुमराह के 907 रेटिंग हैं जो भारतीय क्रिकेट टीम के इतिहास में किसी गेंदबाज की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक है। मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट से पहले बुमराह के रेटिंग अंक 904 थे और उन्होंने सर्वोच्च रेटिंग के मामले में पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की बराबरी कर ली थी। 2016 में अश्विन ने सर्वोच्च रेटिंग (904) हासिल की थी, लेकिन अब बुमराह ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है।

टेस्ट में पूरे किए थे 200 विकेट

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान अपने 200 टेस्ट विकेट पूरे कर लिए थे। मैच के हिसाब से भारत के लिए टेस्ट में सबसे तेज 200 विकेट लेने वालों में बुमराह दूसरे स्थान पर हैं। हालांकि, इस लिस्ट की शीर्ष पांच गेंदबाजों में अकेले तेज गेंदबाज हैं। बुमराह ने 44 टेस्ट में ऐसा किया। वहीं, अश्विन 37 टेस्ट मैचों में 200 विकेट पूरे किए थे और वह शीर्ष पर हैं। गेंद के हिसाब से टेस्ट में सबसे तेज 200 विकेट पूरे करने वाले गेंदबाजों की बात करें तो बुमराह चौथे स्थान पर हैं। बुमराह को 200 विकेट के लिए 8484 गेंदें फेंकनी पड़ीं। पाकिस्तान के वकार यूनिस इस लिस्ट में शीर्ष पर हैं।

दिग्गजों की सूची में शामिल हुए बुमराह

बुमराह सर्वोच्च रेटिंग अंक हासिल करने वाले संयुक्त रूप से 17वें गेंदबाज हैं और उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर डेरेक अंडरवुड की बराबरी कर ली है। इस सर्वाकालिक सूची में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज सिडनी बर्नस (932) रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि जॉर्ज लोहमैन (931), इमरान खान (922) और मुथैया मुरलीधरन (920) का नंबर आता है।

कमिंस को हुआ फायदा

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को भी ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। कमिंस चौथे टेस्ट मैच में छह विकेट लेने के कारण एक स्थान के सुधार के साथ गेंदबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे हमवतन जोश हेजलवुड और बुमराह हैं। कमिंस को 15 रेटिंग अंकों का फायदा भी हुआ है। वहीं, टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में भी वह तीसरे स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने मेलबर्न टेस्ट में बल्ले से भी उपयोगी योगदान दिया था।

करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर यशस्वी, जडेजा को नुकसान

भारतीय टीम के स्टार सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बल्लेबाजों की रैंकिंग में बॉक्सिंग डे टेस्ट में शानदार पारी खेलने का फायदा हुआ है। यशस्वी अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके रेटिंग अंक भी 854 है। वहीं, मेलबर्न में अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ने वाले नीतीश कुमार रेड्डी 20 स्थान की छलांग के साथ बल्लेबाजों की रैंकिंग में 53वें स्थान पर आ गए हैं। हालांकि, रवींद्र जडेजा को गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह 10वें स्थान पर खिसक गए हैं।

सिडनी टेस्ट के लिए रोहित के सामने सही संयोजन चुनने की चुनौती, गिल के लिए कैसे बनेगी जगह?

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में 1–2 से पिछड़ रही भारतीय टीम के सामने सिडनी में तीन जनवरी से होने वाले अंतिम टेस्ट के लिए सही संयोजन चुनने की चुनौती है। भारत ने चौथे टेस्ट में शुभमन गिल को प्लेइंग–11 से बाहर रखा था, लेकिन जिस तरह टीम की बल्लेबाजी रही थी उससे लगा रहा है कि टीम प्रबंधन पांचवें टेस्ट में छह बल्लेबाजों के साथ उतर सकता है। चौथे टेस्ट के बाद कप्तान रोहित शर्मा की काफी आलोचना हुई थी क्योंकि उन्होंने खुद को शीर्ष क्रम पर लाने के लिए गिल को प्लेइंग–11 से बाहर रखा था। भारत को अगर बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा बनाए रखने के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल की दौड़ में बने रहना है तो रोहित को टीम के सर्वोत्तम हित में कुछ विकल्प में से सर्वश्रेष्ठ को चुनना होगा। भारतीय कप्तान को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर अपने छह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को उतारना पड़ सकता है जिससे मेलबर्न में पिछले मैच में बाहर किए गए शुभमन गिल को प्लेइंग–11 में शामिल करने का रास्ता साफ हो जाएगा। वर्ष 2024 में टेस्ट क्रिकेट में 866 रन के साथ गिल पिछले एक साल में भारतीय बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में यशस्वी जायसवाल के बाद दूसरे स्थान पर हैं और अगर वह मेलबर्न में प्लेइंग–11 से बाहर किए जाने से निराश होंगे तो इसमें कुछ गलत नहीं है। हालांकि रोहित ने बताया कि टीम प्रबंधन ने गिल को मेलबर्न में बाहर किए जाने के कारणों के बारे में जानकारी दी थी। पांच पारियों में सिर्फ 31 रन और पिछली 14 पारियों में 155 रन बनाने वाले कप्तान खुद स्वेच्छा से हट सकते हैं और युवा स्टार गिल को खेलने का मौका दे सकते हैं। ऐसे में केएल राहुल को दोबारा पारी का आगाज करने का मौका मिल सकता है जहां वह सबसे अधिक आश्वस्त दिख रहे हैं। प्लेइंग–11 में बेहतर संतुलन सुनिश्चित करने के लिए उन्हें बाहर किया गया था क्योंकि वॉशिंगटन सुंदर की गेंदबाजी से अतिरिक्त फायदा मिलने की उम्मीद थी। वॉशिंगटन ने 50 रन बनाकर अपनी उपयोगिता साबित की और शतकवीर नीतीश कुमार रेड्डी के साथ शतकीय साझेदारी भी की। अगर उनकी गेंदबाजी में अधिक फैनापन होता तो वह निश्चित रूप से अधिक ओवर फेंकते। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पारंपरिक रूप से एक ऐसा विकेट रहा है जहां मैच के आगे बढ़ने के साथ स्पिनरों को मदद मिलती है ।

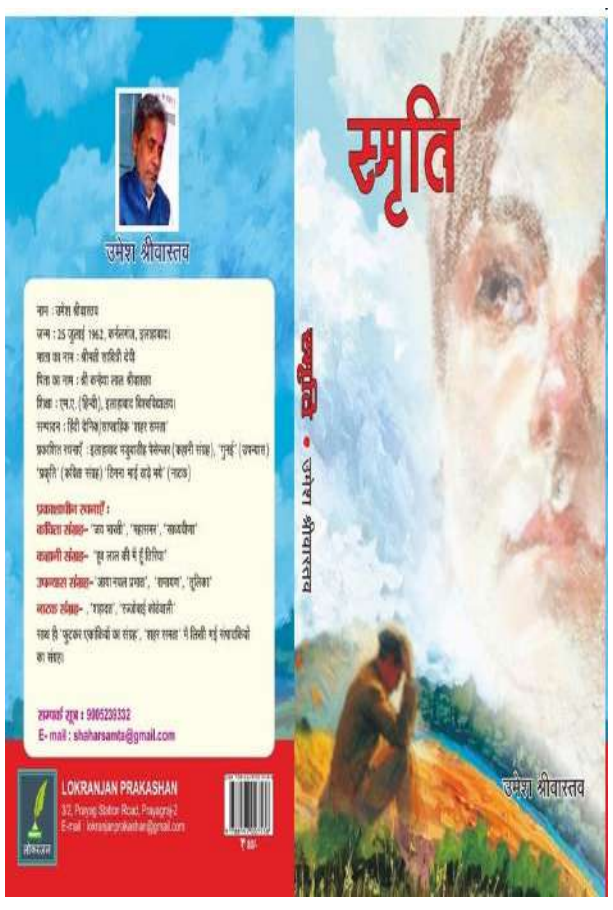

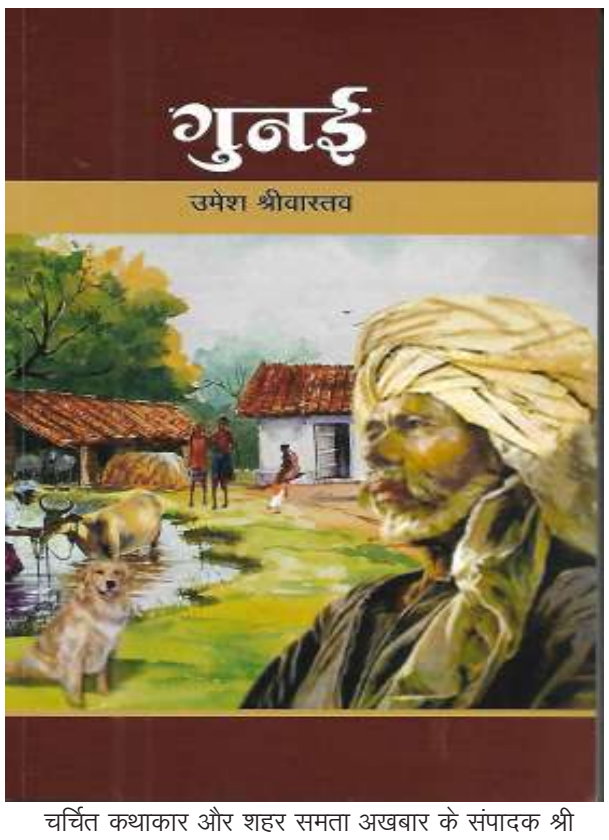

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

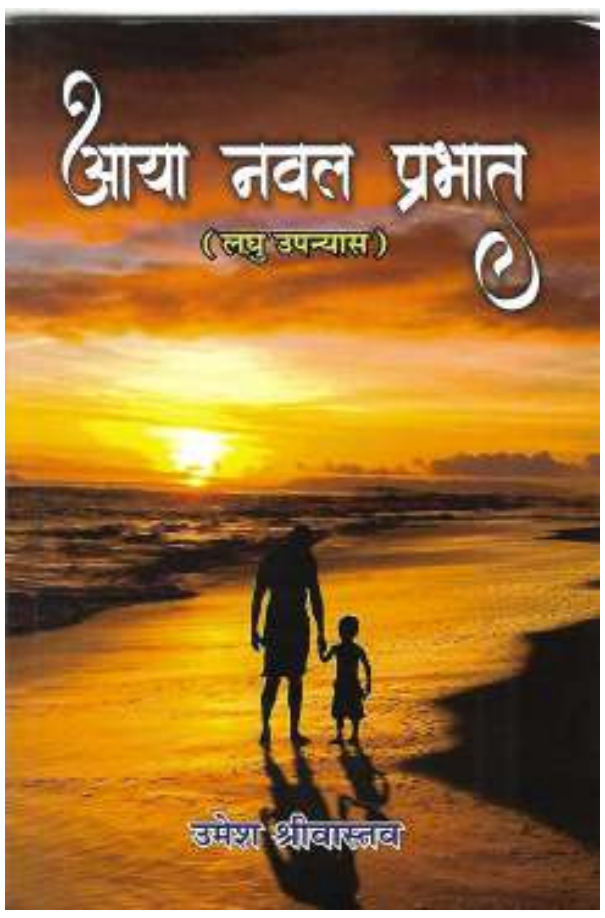

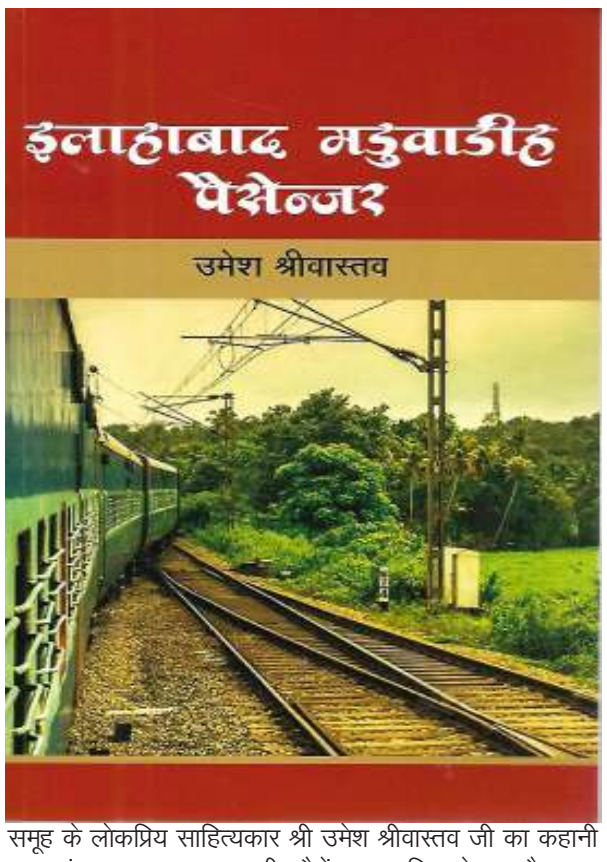

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

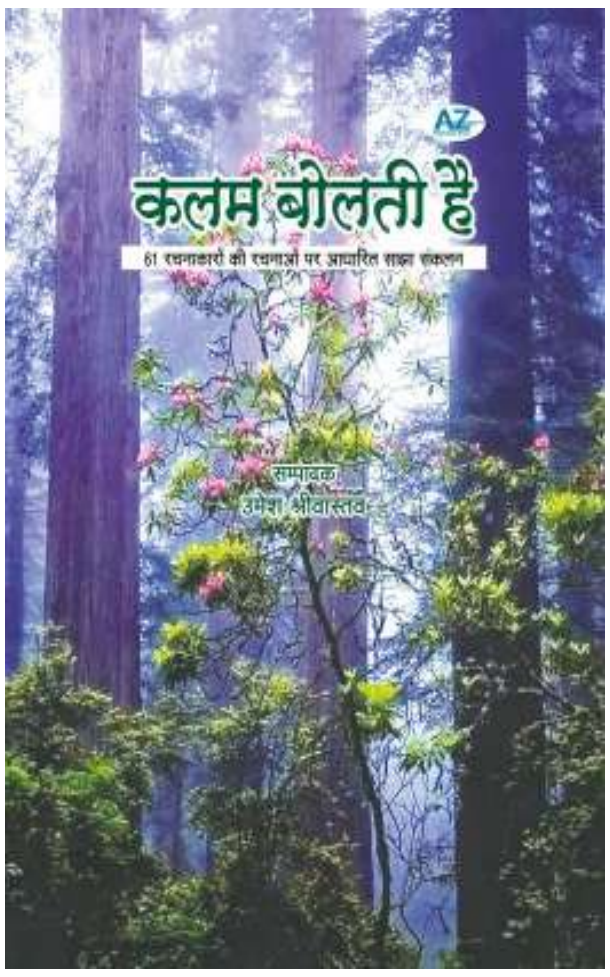

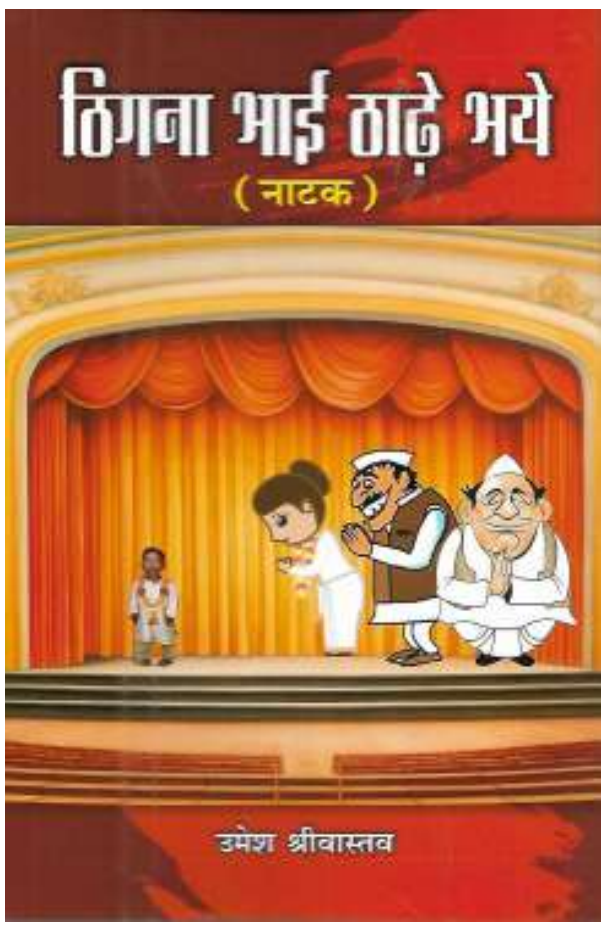

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

जिम्बाब्वे ने मृत्युदंड के प्रावधान को समाप्त किया

जिम्बाब्वे ने मृत्युदंड की सजा के प्रावधान को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। देश में लगभग दो दशक पहले आखिरी बार किसी को मृत्युदंड दिया गया था, ऐसे में हरारे के इस कदम को लेकर पहले से ही संभावना जताई जा रही थी। संसद द्वारा विधेयक पारित किए जाने के बाद राष्ट्रपति एमर्सन मनंगाग्वा ने इस सप्ताह कानून को मंजूरी दी। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1960 के दशक में मनंगाग्वा को भी फांसी की सजा सुनाई गई थी। जिम्बाब्वे में लगभग 60 कैदी ऐसे हैं, जिन्हें मृत्युदंड सुनाया जा चुका है, लेकिन इस नए कानून के बाद उनकी सजा को माफ कर दिया जाएगा। देश में अंतिम बार किसी को 2005 में मृत्युदंड दिया गया था।

इक्वाडोरः चार बच्चों के लापता होने के मामले में 16 सैनिकों को हिरासत में लेने के आदेश

इक्वाडोर के एक न्यायाधीश ने तटीय शहर ग्वायाकिल से तीन सप्ताह पहले चार बच्चों के लापता होने के मामले में 16 सैनिकों की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। इक्वाडोर के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय द्वारा मंगलवार को सैनिकों को हिरासत में लेने का अनुरोध किया गया था। कानून प्रवर्तन एजेंसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि उसके अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया है और हिरासत में लिए गए सैनिकों को जेल भेज दिया गया है। लापता बच्चों के मामले ने इक्वाडोर को हिलाकर रख दिया है, देश में हिंसा के बढ़ते मामलों और मादक पदार्थों का इस्तेमाल बढ़ने के बाद सेना को इनसे निपटने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यहां 11 से 15 वर्ष के चार बच्चों के लापता होने के संबंध में उनके परिजनों ने आठ दिसंबर को शिकायत दर्ज करवाई थी, उनका कहना था कि बच्चे फुटबॉल खेलने गए थे और उसके बाद से वे वापस घर नहीं लौटे। क्षेत्र में लगे एक कैमरे के फुटेज में सैन्य गश्ती दल दो बच्चों को एक ट्रक में बैठाकर ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। इक्वाडोर की सेना ने कहा है कि बच्चे उसकी हिरासत में थे और उन्हें इस लिए हिरासत में लिया गया था क्योंकि वे चोरी की वारदात को अंजाम देने की कोशिश कर रहे थे। सेना ने साथ ही कहा कि बच्चों को हिरासत में लेने के बाद उसी रात रिहा कर दिया गया था और उनके लापता होने में किसी गिरोह का हाथ हो सकता है। इस बीच, पिछले सप्ताह जासूसों को ग्वायाकिल के बाहरी इलाके में एक सैन्य अड्डे के पास चार जले हुए शव मिले। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इनमें से कोई शव लापता बच्चों का तो नहीं है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ताइवान को चीन में मिलने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती, नए साल की शुरुआत जिनपिंग की धमकी के साथ

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नए साल पर ताइवान को लेकर धमकी दी है। जिनपिंग ने ताइवान को चीन में मिलाने पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि ताइवान के चीन में एकीकरण को कोई नहीं रोक सकता है। कोई हमारे बीच नातेदारी के बंधन को कभी भी खत्म नहीं कर सकता है। शी ने राज्य प्रसारक पर अपना 2025 नववर्ष संबोधन देते हुए कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों किनारों पर रहने वाले हम चीनी एक ही परिवार के हैं। चीन स्व–शासित द्वीप ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का हिस्सा होने का दावा करता है और एक अनिवार्य राजनयिक नीति के रूप में ताइवान को अपने हिस्से के रूप में मान्यता देते हुए 'वन–चाइना' बनाता है।

शी ने अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया

शी के नए साल के संदेश का अन्य मुख्य फोकस चीनी जनता को अर्थव्यवस्था के बारे में आश्वस्त करना था, जो कोविड–19 के बाद काफी धीमी हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप आकर्षक रियल एस्टेट क्षेत्र का पतन हो गया और देश भर में व्यवसायों के बंद होने के कारण नौकरी छूट गई। चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है और यह ऊपर की ओर बढ़ रही है, 2024 में सकल घरेलू उत्पाद के 130 ट्रिलियन–युआन (लगभग 18.08 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) के आंकड़े को पार करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अनाज उत्पादन 700 मिलियन टन से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि देश ने देश और विदेश में बदलते माहौल के प्रभावों पर सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया दी है और पिछले वर्ष में उच्च गुणवत्ता वाले विकास को आगे बढ़ाने में ठोस लाभ हासिल करने के लिए नीतियों की एक पूरी श्रृंखला अपनाई है। ई–वाहनों जैसी नई उत्पादक शक्तियों में चीन की सफलता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि देश ने वास्तविक परिस्थितियों के आलोक में नई गुणवत्ता वाली उत्पादक शक्तियों को बढ़ावा दिया है और नए व्यापार क्षेत्रों, रूपों और मॉडलों को उभरते देखा है। शी ने कहा कि चीन में नई ऊर्जा वाहनों का वार्षिक उत्पादन 2024 में पहली बार 10 मिलियन से ऊपर हो गया है और देश ने एकीकृत सर्किट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम संचार और कई अन्य क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। ताइवान के राष्ट्रपति ने द्वीप के रक्षा बजट को बढ़ावा देने का संकल्प लिया

ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग–ते ने बढ़ते चीनी खतरों के सामने द्वीप की सुरक्षा को मजबूत करने का वादा किया,

भारत आएगा मुंबई हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा, अमेरिकी अदालत ने दी प्रत्यर्पण को मंजूरी

वॉशिंगटन,एजेंसी। मुंबई में 2008 में हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा भारत लाया जाएगा। अमेरिका की अदालत ने उसके भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। अब भारत ने उसे यहां लाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। भारत ने अमेरिका से तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण मांगा था। राणा ने निचली अदालतों में याचिका दायर करके प्रत्यर्पण को रोकने की मांग की थी, मगर कोर्ट से उसे राहत नहीं मिली। इन अदालतों के फैसले राणा का भारत प्रत्यर्पण करने के पक्ष में थे। इसके बाद 13 नवंबर को राणा ने अमेरिकी कोर्ट में एक याचिका दायर की थी, जिसमें उसने वही दलील दी, जो उसने पहले निचली अदालतों में दी थी कि 2008 के मुंबई आतंकी हमले के आरोपों में उसे शिकागो की एक संघीय अदालत ने मुकदमे से बरी किया है। राणा की याचिका को बाइडन प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से खारिज करने की मांग की थी। अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल प्रीलोगर आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की याचिका से असहमत थे। उन्होंने कहा था कि सरकार नहीं मानती कि जिस आचरण पर भारत प्रत्यर्पण चाहता है वह अमेरिकी सरकार के अभियोजन के दायरे में था। भारत का जालसाजी के आरोप संयुक्त राज्य अमेरिका से अलग है। आरोपी ने इमिग्रेशन लॉ सेंटर का शाखा कार्यालय खोलने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को सौंपे गए आवेदन में गलत जानकारी दी है। अब अमेरिकी कोर्ट ने राणा की याचिका खारिज कर दी है। इसके बाद राणा के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया है। भारत ने उसे यहां लाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। साल 2008 में पाकिस्तान से नाव में आए लश्कर–ए–तैयबा के 10 आतंकियों ने करीब 60 घंटे तक मुंबई को बंधक बनाए रखा था। आतंकियों ने इस दौरान 160 से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने नौ आतंकियों को मौके पर ढेर कर दिया था, जबकि एक आतंकी अजमल कसाब जिंदा पकड़ा गया था। जिसे बाद में फांसी दे दी गई थी। मुंबई आतंकी हमले में मरने वाले लोगों में 26 विदेशी नागरिक भी थे। मुंबई में हुए भीषण आतंकी हमलों में भूमिका को लेकर भारत द्वारा प्रत्यर्पण का अनुरोध किए जाने पर राणा को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया था। भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) 2008 में पाकिस्तान स्थित लश्कर–ए–तैयबा के आतंकवादियों द्वारा किए गए 26/11 के हमलों में राणा की भूमिका की जांच कर रही है।

भारत ने 10 जून, 2020 को प्रत्यर्पण की दृष्टि से 62 वर्षीय राणा की अस्थायी गिरफ्तारी की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। बाइडन प्रशासन ने राणा के भारत प्रत्यर्पण का समर्थन किया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

HAPPY NEW YEAR 2025

सभी नगर वासियों को

नव वर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं

संस्थापित: 2001 संस्थापक: स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना

हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक/संयम/संस्कार/संतुलन

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

संपादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रबंध संपादक
अरविन्द पाण्डेय

पंजीकृत कार्यालय: 289/238 I, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज-211002

Mobile No.: 9450482227, 9005239332
E-mail: shaharsamta@gmail.com / Website: www-shaharsamta-com

HAPPY NEW YEAR 2025